मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 8 अंक 16
मंगलवार, 22 जुलाई 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

दल हित में मत भले ही न मिलें, लेकिन देश हित में मन जरूर मिलें : प्रधानमंत्री मोदी

नयी दिल्ली, 21 जुलाई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संसद के मानसून सत्र में विभिन्न मुद्दों पर सार्थक चर्चा का आह्वान करते हुए सोमवार को कहा कि सभी दलों का अलग-अलग एजेंडा है और दल हित में उनके मत भले ही न मिलें, लेकिन देश हित में मन जरूर मिलने चाहिए। प्रधानमंत्री ने सत्र की शुरूआत से पहले संवाददाताओं को संबोधित करते हुए मानसून सत्र को विजयोत्सव बताया।

उन्होंने कहा कि पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर के रूप में पूरी दुनिया ने भारत की सैन्य शक्ति देखी और आतंकवाद के आका बेनकाब हुए। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में सेना ने 100 फीसदी लक्ष्य हासिल किए और करीब 22 मिनट में ही आतंकवादियों के ठिकानों को जमींदोज कर दिया गया। उन्होंने कहा, ऑपरेशन सिंदूर के बाद हमारे सांसदों ने पूरी दुनिया में जा कर आतंकवाद के आका पाकिस्तान को बेनकाब किया। विश्व ने भारत की बात को स्वीकार करने की दिशा में अपने मन के द्वार खोले और इसके लिए हमारे राजनीतिक दल एवं सांसद सराहना के पात्र हैं। मोदी ने आह्वान किया कि सेना के सामर्थ्य की सराहना की जानी चाहिए।

उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर तिरंगा लहरा चुका है और प्रगति की राह में आगे बढ़ रहे देश में विज्ञान के प्रति उमंग एवं उत्साह है। प्रधानमंत्री ने कहा, नक्सलवाद का दायरा आज सिकुड़ रहा है और कल तक तो रेड कॉरिडोर थे, वे आज ग्रीन, ग्रोथ जोन में परिवर्तित हो रहे हैं।

उन्होंने कहा भारत आज दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। कभी देश में महंगाई दर दोहरे अंकों में थी लेकिन आज यह दो फीसद के आसपास आ चुकी है और आम आदमी को राहत मिली है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि देश की विकास यात्रा एवं प्रगति को बल देने वाले तथा नागरिकों के हितों से जुड़े अनेक विधेयक प्रस्तावित हैं और इस सत्र में उन्हें चर्चा कर पारित किया जाएगा। उन्होंने कहा, सभी दलों का अलग-अलग एजेंडा है लेकिन दल हित में मत भले ही न मिलें, लेकिन देश हित में मन जरूर मिलें। मोदी ने कहा देश ने एकता की ताकत देखी है और यह देखा है कि एक स्वर का सामर्थ्य क्या होता है। संसद में भी यही बात नजर आनी चाहिए।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली, 21 जुलाई। भारत के उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीश धनखड़ ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिखकर उन्होंने अपना इस्तीफा भेजा है। जगदीप धनखड़ का कार्यकाल 2027 तक था। अपनी स्थिति में जगदीप धनखड़ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मंत्रिमंडल का धन्यवाद दिया है। इसके साथ ही उन्होंने सांसदों का समय और विश्वासक लिए भी आभार जताया हैं।

धनखड़ ने अपने पत्र में कहा, सभी माननीय सांसदों से मुझे जो गर्मजोशी, विश्वास और स्नेह मिला है, वह हमेशा मेरी स्मृति में रहेगा। हमारे महान लोकतंत्र में उपराष्ट्रपति के रूप में मुझे जो अमूल्य अनुभव और अंतर्दृष्टि प्राप्त हुई है, उसके लिए मैं तहे दिल से आभारी हूँ। उन्होंने राष्ट्र के इतिहास के एक महत्वपूर्ण

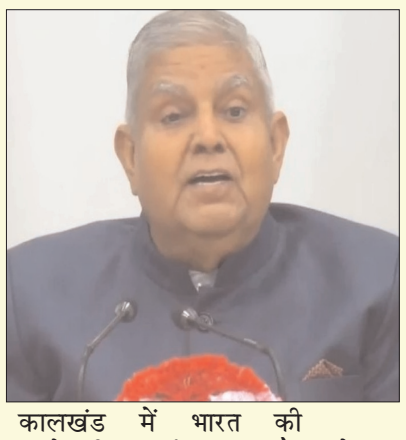

कालखंड में भारत की उल्लेखनीय आर्थिक प्रगति और अभूतपूर्व विकास को देखने और उसमें योगदान देने की संतुष्टि पर प्रकाश डाला। पद छोड़ते हुए, धनखड़ ने भारत के वैश्विक उत्थान और उपलब्धियों पर गर्व व्यक्त किया और देश के उज्ज्वल भविष्य में अपने अटूट विश्वास की पुष्टि की। जून में, नैनीताल में कुमाऊँ विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती समारोह के दौरान धनखड़ बेहोश हो गए थे। यह घटना तब हुई जब उन्होंने अपना भाषण दिया और भावुक होकर पूर्व सांसद महेंद्र सिंह पाल को गले लगा लिया। कार्यक्रम के दौरान धनखड़ कुछ देर के लिए बेहोश हो गए थे; हालाँकि, उनकी चिकित्सा टीम ने तुरंत उनका इलाज किया और वे जल्द ही ठीक हो गए। बाद में वे आराम करने के लिए राजभवन चले गए। इससे पहले मार्च में, धनखड़ को हृदय संबंधी बीमारियों के बाद एम्स-दिल्ली में भर्ती कराया गया था। एम्स-दिल्ली ने कहा था, ₹एम्स की मेडिकल टीम से आवश्यक देखभाल मिलने के बाद, उनकी हालत में संतोषजनक सुधार हुआ और 12 मार्च को उन्हें छुट्टी दे दी गई।

सड़क से जुड़ेगा किरमिच खेड़ी, सिंधिया के प्रयासों से टूटी वर्षों की बाधा

नई दिल्ली, 21 जुलाई। अशोकनगर जिले की मुंगावली तहसील के आदिवासी बहुल गांव किरमिच खेड़ी के निवासियों को अब मुख्य सड़क से सीधा और सुगम रास्ता मिलेगा। अभी तक ग्रामीणों को खेतों और कीचड़ भरे अस्थायी रास्तों से होकर गुजरना पड़ता था। यह मामला जैसे ही केंद्रीय संचार एवं उत्तर-पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्री तथा क्षेत्रीय सांसद सिंधिया के ध्यान में आया, उन्होंने तत्काल हस्तक्षेप करते हुए संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश जारी किए हैं।

गांव में स्कूल और बिजली जैसी बुनियादी सुविधाएं तो उपलब्ध हैं, लेकिन अब तक कोई शासकीय सड़क नहीं बन पाई। किरमिच खेड़ी मुख्य सड़क से करीब 1.5 किमी और ब्लॉक मुख्यालय से लगभग 12 किमी की दूरी पर स्थित है। ग्रामीणों को रोजाना 14झ15 निजी खेतों से होकर अस्थायी और कीचड़ भरे रास्ते से गुजरना पड़ता है। बरसात के दौरान यह रास्ता बेहद कठिन हो जाता है। अब जल्द ही यहां निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा।

प्रधानमंत्री जन-मन योजना के अंतर्गत 14 मई 2025 को कार्यादेश जारी कर निविदा प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई है। प्रशासन ने आश्वस्त किया है कि मानसून समाप्त होते ही निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा। ग्रामीणों ने बताया कि वे वर्षों से स्थानीय प्रशासन से सड़क निर्माण की मांग कर रहे थे, लेकिन कोई ठोस पहल नहीं हुई। सिंधिया जी के हस्तक्षेप से उन्हें अब स्थायी समाधान की उम्मीद जगी है।

आज संसद में एसआईआर का मुद्दा उठाएंगे इंडिया ब्लॉक के नेता

नई दिल्ली, 21 जुलाई। इंडिया ब्लॉक के नेता मंगलवार को संसद में बिहार के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का मुद्दा उठाएंगे। सुबह 10 बजे संसद के मकर द्वार पर विरोध प्रदर्शन भी किया जाएगा। सूत्रों ने इस बात की जानकारी दी है। इससे पहले आज, कांग्रेस सांसद सैयद नसीर हुसैन ने बिहार में विधानसभा चुनावों से महीनों पहले मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभ्यास के मुद्दे पर चर्चा के लिए राज्यसभा में एक प्रस्ताव का नोटिस पेश किया।

राज्यसभा के प्रक्रिया और कार्य संचालन नियमों के नियम 267 के तहत राज्यसभा के महासचिव को दिए गए एक नोटिस में, कांग्रेस सांसद ने सदन

से बिहार में चुनाव आयोग के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभ्यास से उत्पन्न चिंताओं पर चर्चा करने का आग्रह किया। नोटिस में कहा गया है कि यह सदन शून्यकाल और प्रश्नकाल तथा दिन के अन्य कार्यों से संबंधित प्रासंगिक नियमों को स्थगित कर चुनाव आयोग द्वारा बिहार में चुनाव से पहले की गई विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया से उत्पन्न चिंताओं पर चर्चा करता है।

इसमें कहा गया है कि इसके बाद देशभर में इसी तरह की प्रक्रिया चलाने की योजना बनाई गई है, जिसमें गरीबों और हाशिए पर पड़े लोगों के एक बड़े वर्ग को मताधिकार से वंचित करना शामिल है, जो सीधे तौर पर नागरिकों के मतदान के मौलिक अधिकार को कमजोर करता है और हमारी चुनावी प्रणाली की निष्पक्षता और अखंडता को नष्ट करता है। इस बीच, राजद विधायक तेजस्वी यादव ने सोमवार को बिहार विधानसभा सत्र में चल रही एसआईआर प्रक्रिया पर चर्चा की मांग की।

पत्रकारों से बात करते हुए तेजस्वी यादव ने कहा, ₹आज विधानसभा सत्र शुरू हो गया है... हमारी मांग है कि विधानसभा में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर चर्चा हो।₹ उन्होंने कहा कि पार्टी यह सुनिश्चित करने के लिए संघर्ष करेगी कि कोई भी गरीब मतदाता अपने मताधिकार से वंचित न रहे। यादव ने कहा, ₹बिहार लोकतंत्र का उद्गम स्थल है और अगर कोई यहाँ लोकतंत्र को खत्म करने की कोशिश करेगा, तो हम चुप नहीं बैठेंगे। हम यह लड़ाई लड़ेंगे ताकि हमारे गरीबों को उनके मताधिकार से वंचित न किया जाए और उनका अस्तित्व मिट न जाए।₹ भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) इस साल के अंत में होने वाले बिहार विधानसभा चुनावों से पहले मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कर रहा है।

19 साल बाद मुंबई ट्रेन ब्लास्ट केस के 11 आरोपी बरी

मुंबई, 21 जुलाई। मुंबई के उपनगरीय रेल नेटवर्क में सिलसिलेवार बम विस्फोटों के लगभग दो दशक बाद, 2006 की त्रासदी में जीवित बचे चिराग चौहान ने सोमवार को बॉम्बे उच्च न्यायालय द्वारा सभी 12 आरोपियों को बरी किए जाने पर निराशा व्यक्त करते हुए कहा कि न्याय की हत्या कर दी गई। अब 40 वर्षीय चिराग चौहान 21 वर्षीय चार्टर्ड अकाउंटेंसी के छात्र थे, जब 11 जुलाई 2006 को खार और सांताक्रूज स्टेशनों के बीच बम विस्फोट हुआ था। विस्फोट के कारण उनकी रीढ़ की हड्डी में चोट लग गई और वे व्हीलचेयर पर आ गए। आज, वे एक चार्टर्ड अकाउंटेंट हैं और विस्फोट पीड़ितों की आवाज बनते हैं। फैसले के कुछ घंटे बाद, चौहान ने सोशल मीडिया पर बरी होने पर अपनी पीड़ा साझा की।

उन्होंने कहा, आज सभी के लिए बहुत दुखद दिन है! न्याय की हत्या हो गई!! हजारों परिवारों को हुई अपूरणीय क्षति और पीड़ा के लिए किसी को सजा नहीं मिली।

देश का कानून आज नाकाम हो गया। उन्होंने कहा कि अगर हमले के समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सत्ता में होते तो न्याय संभव हो सकता था। चौहान ने अपने तीखे शब्दों वाले पोस्ट में कहा, काश उस समय हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी होते, तो हमें हालिया आतंकी हमले की तरह न्याय मिल सकता था। भारत ने पाकिस्तान में घुसकर आतंकवादियों और सभी अपराधियों को करारा जवाब दिया! उन्होंने मई में हुए सैन्य अभियान 'ऑपरेशन सिंदूर' का हवाला दिया। चौहान, जिन्होंने इस महीने की शुरूआत में धमाकों की 19वीं बरसी पर एक भावुक संदेश पोस्ट किया था, ने हमले के बाद अपनी ज़िंदगी को फिर से संवारने के बारे में बताया। मैंने धमाकों के ठीक तीन साल बाद, 2009 में सीए फाइनल पास किया। शुरूआत में मैं बस कुछ घंटे ही बैठ पाता था, लेकिन फिजियोथेरेपी के बाद मैं 8 घंटे, फिर 12 घंटे और अब 16 घंटे बैठ पाता हूँ।

बॉम्बे उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति अनिल किलोर और न्यायमूर्ति श्याम चांडक की विशेष पीठ ने एक कठोर फैसला सुनाते हुए, उन सभी 12 लोगों को बरी कर दिया, जिन्हें पहले इन सिलसिलेवार धमाकों के सिलसिले में दोषी ठहराया गया था। इन धमाकों में 180 से ज्यादा लोग मारे गए थे और सैकड़ों घायल हुए थे। अदालत ने कहा कि अभियोजन पक्ष अपना मामला साबित करने में ₹पूरी तरह विफल रहा है, और यह विश्वास करना मुश्किल है कि आरोपियों ने अपराध किया है।

बीजद नेताओं ने विरोध प्रदर्शन किया

कटक, 21 जुलाई। सैकड़ों बीजद नेताओं और कार्यकताओं ने ओडिशा के तीन अलग-अलग क्षेत्रों में राजस्व संभागीय आयुक्तों के कार्यालयों के समक्ष प्रदर्शन किया और 12 जुलाई को बालासोर में एक छात्रा की आत्मदाह से हुई मौत की जांच के लिए न्यायिक पैनल के गठन की मांग की। विधायकों सहित विपक्षी नेताओं ने कटक, बरहामपुर और संबलपुर में आरडीसी कार्यालयों के समक्ष प्रदर्शन किया तथा उड़ीसा उच्च न्यायालय के वर्तमान न्यायाधीश की अध्यक्षता में न्यायालय की निगरानी में न्यायिक जांच की मांग की।

कटक में आरडीसी कार्यालय के पास प्रदर्शन में शामिल होते हुए बीजद के वरिष्ठ उपाध्यक्ष देबी प्रसाद मिश्रा ने आरोप लगाया त्र ने उच्च पदों पर बैठे कई महत्वपूर्ण लोगों से मदद मांगी थी। लेकिन उनमें से कोई भी छात्र की मदद के लिए आगे नहीं आया।

फकीर मोहन कॉलेज की 20 वर्षीय इंटीग्रेटेड बीएड द्वितीय वर्ष की छात्रा ने आत्मदाह के प्रयास के दो दिन बाद 14 जुलाई की रात को एम्स भुवनेश्वर में 95 प्रतिशत जलने के कारण दम तोड़ दिया। इस घटना से देश भर में आक्रोश फैल गया। जद ने पहले ही अपराध शाखा की जाँच को यह कहते हुए खारिज कर दिया है कि यह अपर्याप्त होगी। इस मामले में बालासोर के सांसद और उच्च शिक्षा मंत्री समेत कई प्रभावशाली लोगों से पूछताछ होनी चाहिए।

आर के मीडिया
हिन्दी दैनिक न्यूज पेपर, साप्ताहिक न्यूज पेपर, हिन्दी मासिक पत्रिका का पेज बनबाने के लिए सम्पर्क करे: 9199355950

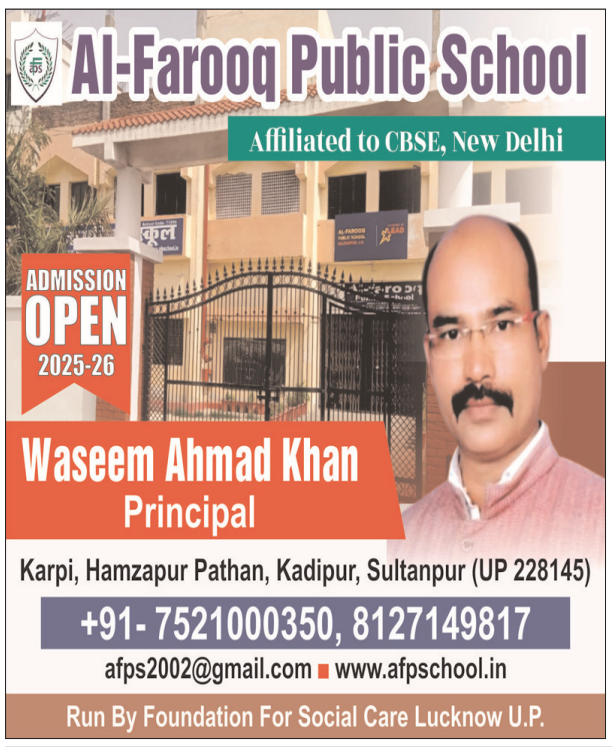

बड़ी जीत है द रेजिस्टेंट फ्रंट का आतंकी संगठन घोषित होना

-ललित गर्ग

पहलगाम में जब आतंकी हमले में निदोर्षों का रक्त बहा, आहें एवं चीखें गूंजी, जिसने न केवल देश एवं दुनिया को झकझोर दिया था, बल्कि यह संकेत भी दे दिया कि आतंकवाद की जड़ें अब भी जीवित हैं और उन्हें राजनीतिक, वैचारिक और सीमा-पार समर्थन प्राप्त है। लेकिन इस बार एक बड़ा परिवर्तनकारी एवं प्रासंगिक कदम अमेरिका की ओर से सामने आया है, जिसने इस हमले की जिम्मेदारी लेने वाले पाकिस्तान के आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा की मुखौटा इकाई द रेजिस्टेंट फ्रंट (टीआरएफ) को वैश्विक आतंकी संगठन घोषित कर दिया, इस तरह टीआरएफ की पहचान और आतंक के विरुद्ध वैश्विक एकजुटता का नया अध्याय लिखा गया है। यह कदम केवल एक औपचारिक घोषणा नहीं, बल्कि आतंक के विरुद्ध वैश्विक मंच पर एक रणनीतिक संदेश है कि अब छद्म युद्ध और पनपते आतंक के विरुद्ध निर्णायक कार्यवाही का युग आ गया है। अमेरिका का यह कदम भारत के लिए एक कूटनीतिक जीत के रूप में देखा जा रहा है। निश्चित ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं विदेश मंत्री एस जयशंकर के अन्तर्राष्ट्रीय प्रयास इस बात के द्योतक है कि आतंकवाद से निपटने के मोर्चे पर भारत सफल हो रहा है। अमेरिका के इस फैसले ने न सिर्फ टीआरएफ के आतंकी चेहरे से बेपर्दा किया है, बल्कि पाकिस्तान की उन नापाक हरकतों को भी बेनकाब कर दिया, जिन्हें वह खुद को आतंकवाद से पीड़ित बताकर छिपाता आ रहा है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इसे भारत-अमेरिका के बीच मजबूत आतंकवाद-रोधी सहयोग का प्रमाण बताया है और आतंक के खिलाफ लड़ाई में वैश्विक सहयोग की जरूरत पर बल दिया है।

टीआरएफ दिखने में एक स्थानीय कश्मीरी संगठन होने का भ्रम देता है, लेकिन असल में यह लश्कर-ए-तैयबा और उसके सरगना हाफिज सईद की पुरानी साजिश का नया चेहरा है। पाकिस्तान-समर्थित आतंकी संगठनों को नया नाम एवं नये रूप में प्रस्तुत करना पाक की एक साजिश एवं सोची-समझी रणनीति है, ताकि दुनिया के सामने वह अपने दामन को पाक-साफ दिखा सके। एक और विडम्बनापूर्ण स्थिति यह है कि पाक ने इसे इस तरह पेश किया जैसे यह कश्मीर का स्थानीय संगठन हो। यह जगजाहिर है कि कई बड़े आतंकी संगठन पाकिस्तान की धरती से संचालित किए जा रहे हैं। इनमें लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद और हिज्बुल मुजाहिद्दीन प्रमुख हैं। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी कई बार ये सवाल उठे और पाक को आतंक पोषित स्वीकार्य किया जाने लगा। उसका नतीजा यह हुआ कि पाकिस्तान ने रणनीति बदली और आतंकी संगठनों के नाम भी बदलने शुरू कर दिए। टीआरएफ इसका एक उदाहरण है। इसका गठन 2019 के अनुच्छेद 370 के निरस्तीकरण के बाद हुआ और इसका उद्देश्य भारत में आतंकी घटनाओं को ह्यस्वदेशी विद्रोहह्ल की आड़ में अंजाम देना है। पहलगाम हमला भारत के उस प्रयास को चुनौती देता है जो वह ह्यपर्यटन और विकास के माध्यम से कश्मीर को मुख्यधारा में लानेह्ल के लिए कर रहा है। जब भी कश्मीर में शांति की बहार आती है, ऐसे आतंकी संगठन हिंसा का तूफान लेकर आते हैं। टीआरएफ ने सोशल मीडिया, इंटरनेट और कूटनीतिक शब्दजाल का इस्तेमाल करके अंतरराष्ट्रीय मंचों पर खुद को ह्यकश्मीरी प्रतिरोध आंदोलनह्ल के रूप में पेश करने की कोशिश की, जबकि उसके तार रावलपिंडी और आईएसआई के आतंकवाद समर्थन तंत्र से सीधे जुड़े हैं। मगर, अमेरिका की ओर से इसे वैश्विक आतंकी संगठन घोषित किया जाना इस बात का सबूत है कि आतंकियों को हथियार की तरह इस्तेमाल करने के इरादों को किसी छद्म नाम की आड़ में छिपाया नहीं जा सकता।

अमेरिका द्वारा टीआरएफ को वैश्विक आतंकी संगठन घोषित किया जाना भारत की एक बड़ी राजनयिक एवं कूटनीतिक सफलता है। यह दिखाता है कि भारत की तीक्ष्ण एवं ताकतवर विदेश नीति अब केवल घटनाओं की निंदा तक सीमित नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय दबाव निर्माण की रणनीति पर आधारित है। जो संयुक्त राष्ट्र में भारत के प्रस्तावों को भी बल देती है। भारत पाकिस्तान-प्रायोजित आतंकवाद के विरुद्ध वर्षों से चेतावनी देते हुए दुनिया को आतंकमुक्त बनाने के लिये प्रतिबद्ध है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने कूटनीतिक स्तर पर विभिन्न देशों को आतंक के खिलाफ एकजुट करने के प्रयास तेज किये हैं। ऐसे में अमेरिका पर भी यह साबित करने का दबाव बना है कि वह आतंकवाद के खिलाफ दोहरे मापदंड न अपनाये। क्योंकि अमेरिका का दोगलापन चर्चा में रहा है, एक तरफ अमेरिका आतंकवाद के खिलाफ भारत के साथ खड़े होने का दावा करता है, तो दूसरी ओर पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा और विश्व बैंक से बड़ी धनराशि कर्ज के रूप में दी जाती है। एक तरफ राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप इस मुद्दे पर भारत के साथ खड़े होने की बात करते हैं, दूसरी तरफ आतंकवाद की नर्सरी चलाने वाले पाकिस्तान को लेकर अपने नरम रुख का इजहार भी करते रहते हैं। आतंकवाद पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) का ढुलमुल रवैया भी हैरान करने वाला है। सवाल यह है कि जब अमेरिका यह मानता है कि पाकिस्तान आतंकियों को पाल-पोस रहा है, तो वह वैश्विक संस्थाओं से उसे वित्तीय मदद रोकने की वकालत क्यों नहीं करता है?

ऑपरेशन सिंदूर में पाक को करारी मात देने के बाद भारत आतंकवाद के खिलाफ दुनिया में वातावरण बनाने के लिये तत्पर हुआ। आतंक के खिलाफ इस लड़ाई को मजबूती देने के लिये भारत ने अमेरिका समेत 32 देशों में अपने प्रतिनिधिमंडल भेजे थे। इन देशों को पुख्ता सबूतों के साथ बताया गया कि टीआरएफ पाकिस्तान प्रायोजित लश्कर-ए-तैयबा का मुखौटा संगठन है। संभवतः भारत के यही प्रयास इस संगठन के खिलाफ अमेरिका के सख्त फैसले का आधार बनी। अमेरिका ने इससे पहले 2001 में भारतीय संसद पर हमले के बाद लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद को आतंकी संगठन घोषित किया था। पाकिस्तान इन दोनों संगठनों की तरह टीआरएफ को भी भारत के खिलाफ हथियार के तौर पर इस्तेमाल करता रहा है। निश्चित ही अमेरिका की यह ताजा कार्रवाई स्वागतयोग्य है, लेकिन भारत को अब केवल प्रतीक्षा नहीं करनी चाहिए, बल्कि आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कमर कसते हुए प्रक्रिया दिखानी चाहिए। उसे सीमा पार सर्जिकल/ड्रोन स्ट्राइक की नीति को और मजबूत करना चाहिए। आतंकी समर्थकों की फंडिंग रोकने के लिए अंतरराष्ट्रीय आर्थिक प्रतिबंधों की मांग करनी चाहिए। घरेलू स्तर पर खुफिया तंत्र और साइबर निगरानी को और सक्रिय एवं आधुनिक बनाना चाहिए। वैश्विक मंचों पर एफएटीएफ, यूएन, और जी 20 जैसे संगठनों में पाकिस्तान की आतंक-समर्थक भूमिका को बार-बार उजागर करना चाहिए।

आज आवश्यकता है कि दुनिया के सभी लोकतांत्रिक और शांति-प्रिय राष्ट्र एक मंच पर एकजुट होकर आतंकवाद के विरुद्ध जीरो टोलरेंस पॉलिसी अपनाएं। किसी भी राष्ट्र को- चाहे वह प्रत्यक्ष हो या परोक्ष, आतंकियों की शरणस्थली बनने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। टीआरएफ को आतंकवादी घोषित करना पहला कदम है, अब इसकी जड़ों को नष्ट करना ही अंतिम लक्ष्य होना चाहिए। पाकिस्तान सरकार, सेना और आतंक के नापाक गठजोड़ पर जब तक सभी देश एकमत नहीं होंगे, आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई निर्णायक मोड़ पर नहीं पहुंचेगी। सवाल यह भी है कि जब पाकिस्तान आतंकी संगठनों को खुलेआम समर्थन करता रहता है तो उसे फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) की ग्रे लिस्ट में डालने से परहेज क्यों किया जा रहा है? विशेषज्ञों का कहना है कि अमेरिका के ताजा कदम के बाद एफएटीएफ और दूसरी अंतरराष्ट्रीय एजेंसियां टीआरएफ की फंडिंग की जांच करेंगी। पहलगाम का हमला एक बार फिर हमें चेतावनी देता है कि आतंकवाद केवल सुरक्षा का संकट नहीं, बल्कि सभ्यता, शांति और मानवता का अपमान है। अब हमें शब्दों से आगे बढ़कर संकल्प और कार्यवाही की ओर बढ़ना होगा। भारत को अब केवल प्रतिकार नहीं, बल्कि निर्णायक प्रहार की नीति अपनानी चाहिए ताकि अगली पीढ़ी एक ऐसे भारत में सांस ले सके जहां ह्यकश्मीरह्ल केवल खूबसूरती का पर्याय हो, आतंक का नहीं। भारत को वैश्विक मंचों पर टीआरएफ को बेनकाब करने की मुहिम जारी रखनी चाहिए, ताकि इस संगठन को फिर फन उठाने का मौका न मिले।

'लोकसभा में क्यों नहीं उठाया जाता कुपोषण की बढ़ती संख्या का मामला?

अशोक भाटिया

पेरिस जलवायु समझौते पर हस्ताक्षर करते समय 17 सतत विकास लक्ष्यों को भी अंगीकृत किया गया था। इसका उद्देश्य था 2030 तक पृथ्वी और इसमें रहने वाले लोगों की शांति और समृद्धि। इन्हीं में से एक लक्ष्य है, सतत विकास लक्ष्य-2। इसका लक्ष्य 2030 तक ह्यजीरो भुखमरीह्ल और कुपोषण को समाप्त करना है। अब इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए सिर्फ 5 वर्षों का समय ही बचा है। भारत इस लक्ष्य से कितना दूर है और इसे लेकर कितना गंभीर है, इसकी पड़ताल करना जरूरी है। संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन द्वारा ह्यविश्व में खाद्य सुरक्षा और पोषण की स्थितिह्ल रिपोर्ट जारी की गई है। 24 जुलाई को सामने आई इस रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत में इस समय लगभग 19.5 करोड़ लोग कुपोषण के शिकार हैं। यह संख्या दुनिया में सबसे ज्यादा है।

कृषि संगठन यानी एफएओ के अनुसार, जब व्यक्ति अपने दैनिक आहार से उतनी ऊर्जा प्राप्त नहीं कर पाता जिससे वह एक सामान्य व सक्रिय जीवन जीने में सक्षम हो सके तो यह अवस्था कुपोषण कहलाती है। ह्यविश्व में खाद्य सुरक्षा और पोषण की स्थितिह्ल यानी एसओएफआई की रिपोर्ट के अनुसार, लगभग आधे से अधिक भारतीय (55.6%) आज भी ह्यस्वस्थ आहारह्ल का खर्च उठाने में सक्षम नहीं है। जबकि वैश्विक स्तर पर यह प्रतिशत 35.4% है। इसका अर्थ यह हुआ कि भारत में लगभग 80 करोड़ लोग ऐसे हैं जो स्वस्थ आहार का खर्च नहीं उठा सकते।

एक तरफ प्रधानमंत्री मोदी भारत को +5 ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था बनने के साथ दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाने का दावा करते रहते हैं, दूसरी तरफ भारत भूखे लोगों, कुपोषित बच्चों और एनीमिया से पीड़ित महिलाओं का देश बनता जा रहा है। हाल में ही संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) और यूनिसेफ सहित चार अन्य संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों द्वारा जारी इस साल की विश्व में खाद्य सुरक्षा और पोषण की स्थिति (एसओएफटी) रिपोर्ट में यह बात सामने आई है। इस रिपोर्ट के मुताबिक भारत में 194.6 मिलियन (19.5 करोड़) कुपोषित लोग हैं झ जो दुनिया के किसी भी देश में सबसे ज्यादा है। इस रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि आधे से ज्यादा भारतीय 55.6% भारतीय याने कि 79 करोड़ लोग अभी भी ह्यपौष्टिक आहारह्ल का खर्च उठाने में असमर्थ हैं। यह अनुपात दक्षिण एशिया में सबसे ज्यादा और चैकाने वाला है जो भारत के लिए एक चेतवानी है।

ग्लोबल हंगर इंडेक्स में भी भारत अपने पड़ोसी देशों नेपाल, बांग्लादेश, पाकिस्तान और श्रीलंका से भी सबसे निचले पायदान पर है, जिनकी अर्थव्यवस्था भारत से काफी छोटी है और जिन्हें भारत से गरीब माना जाता है। देश में 5 साल से कम उम्र के ऐसे बच्चों की संख्या में चिंताजनक वृद्धि हुई है, जिनका वजन उनकी लंबाई की तुलना में कम है। गौरतलब है कि भारत में इस समय पांच साल से कम उम्र के बच्चों में मृत्यु दर प्रति 1,000 बच्चों पर 37 है, जिसमें 69 फीसदी मौतें कुपोषण के कारण होती हैं, जो भयावह है। इस देश में 6 से 23 महीने की उम्र के केवल 42 फीसदी बच्चों को ही पर्याप्त अंतराल पर जरूरी भोजन मिल पाता है। हमारे देश में करीब 21 फीसदी बच्चे अपनी उम्र और लंबाई के हिसाब से कम वजन के हैं। भूख और कुपोषण का एक सामाजिक पहलू भी है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-4 के आंकड़ों के अनुसार, आदिवासियों और दलितों में कुपोषण की दर भारत में सबसे अधिक है, 5 वर्ष से कम आयु वर्ग के 44 प्रतिशत आदिवासी बच्चे कुपोषण के शिकार हैं। भारत में कुपोषण पर संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट को चेतवानी के बतौर कार्रवाई देखा जाना चाहिए। सरकार के लिए यह महत्वपूर्ण है कि वह विकास के सतही मापदंडों से अपना ध्यान हटाकर भूख की बुनियादी समस्या से निपटने पर केंद्रित करे। देश की आधी से ज्यादा आबादी ह्यपौष्टिक आहारह्ल का खर्च उठाने में असमर्थ है। बच्चों में कम वजन और कम वजन वाले शिशुओं के मामले में भारत दुनिया में पहले स्थान पर है, और महिलाओं में एनीमिया के मामले में दक्षिण एशिया में पहले स्थान पर है।समस्या की गंभीरता के बारे में ताहो टूट गया है। यह हमारे देश में हर किसी की मानसिकता है। राज्य में कुपोषण के आंकड़े जारी होते ही कई लोगों की नींद उड़ गई है। ऐसा भी हुआ है। जब कुपोषण की समस्या का जिक्र होता है तो हर कोई मेलघाट या आदिवासी बस्तियों को देखता था। गूगल पर भी जब कुपोषण को कुपोषण कहा जाता है तो मेलघाट क्षेत्र की तस्वीरें दिखाई देती हैं। आज इस समस्या को हल करना संभव नहीं हो सकता है।राजनीतिक विचार-विमर्श के अलावा, राजनीतिक विवाद और राजनीतिक घटनाक्रम के अलावा हमारा ध्यान अपने देश, प्रदेश और स्थानीय निकायों की समस्याओं की ओर नहीं जाता। अगर कुपोषण की समस्या मेलघाट तक ही सीमित रहती, आदिवासी बस्तियों तक ही सीमित रहती, तो कुपोषण की इतनी चर्चा कोई नहीं करता। लेकिन आज कुपोषण की समस्या मेलघाट के दरवाजे को पार कर महाराष्ट्र के हर कोने में प्रवेश कर चुकी है। इस बीमारी ने न केवल ग्रामीण क्षेत्रों में बल्कि शहरी क्षेत्रों में भी अपनी उपस्थिति दिखाना शुरू कर दिया है।

देश की आर्थिक राजधानी मुंबई भी कुपोषण की चपेट में है। दस्तावेजों से पता चला है कि मुंबई में कुपोषण के मामलों की संख्या सबसे अधिक है, जिसके बाद कई लोगों की नींद उड़ गई है। बेशक, कुपोषण का प्रकोप स्वास्थ्य प्रणाली की विफलता है। आज प्रशासनिक एजेंसियों द्वारा कुपोषण की गंभीरता को न समझने के कारण कुपोषण की समस्या खड़ी हुई है। खुद राज्य सरकार ने विधानसभा सत्र में ही कुपोषण की बढ़ती दर को स्वीकार किया है।महिला एवं बाल विकास मंत्री अदिति तटकरे ने विधानसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में बताया कि राज्य में 1,82,443 कुपोषित बच्चे पाए गए हैं, जिनमें से 30,800 बच्चे गंभीर तीव्र कुपोषण की श्रेणी में हैं और 1,51,643 बच्चे मध्यम कुपोषित श्रेणी में हैं। धुले जिले में, 6,377 मध्यम कुपोषित हैं और 1,741 गंभीर रूप से कुपोषित हैं।

कुपोषण की समस्या भारत जैसे विकासशील देश के लिए कोई समस्या नहीं है, बल्कि केंद्र सरकार और उसकी राज्य सरकारों द्वारा इस पर गंभीरता से विचार करने की जरुरत हैं। देश पिछले कई वर्षों से बाल कुपोषण की गंभीर समस्या का सामना कर रहा है। देश के भविष्य के लिए मजबूत और स्वस्थ होना महत्वपूर्ण है। इसके लिए बच्चों को कम उम्र में अच्छा स्वस्थ और पौष्टिक भोजन प्राप्त करने की आवश्यकता होती है। लेकिन गरीबी के कारण लाखों बच्चों और माताओं को पौष्टिक भोजन नहीं मिल पा रहा है। कुपोषित पैदा होने वाले बच्चों का अनुपात अधिक है। इस संबंध में सरकार द्वारा सूचना के अधिकार कानून के तहत दिए गए हालिया आंकड़े चौंकाने वाले हैं और इससे साफ है कि देश में सबसे ज्यादा कुपोषित बच्चे महाराष्ट्र में हैं।केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के अनुसार, देश में 33 लाख से अधिक कुपोषित बच्चे हैं, जिनमें से आधे से अधिक अत्यधिक कुपोषित हैं। महाराष्ट्र, बिहार और गुजरात में कुपोषित बच्चों की संख्या सबसे अधिक है।

कोरोना की वैश्विक महामारी के संकट के बाद कुपोषण की समस्या और गंभीर हो गई है। कोरोनावायरस महामारी से सभी सामाजिक-आर्थिक संकेतक नकारात्मक रूप से प्रभावित हुए हैं। इस दौरान स्कूलों में मिलने वाले मिड-डे मील को बंद करने से कई गरीब परिवारों के बच्चों में कुपोषण बढ़ा है। कुपोषण किसी भी बीमारी के अनुबंध के उच्च जोखिम से जुड़ा हुआ है। इसलिए बच्चों में कुपोषण की समस्या के समाधान के लिए गर्भावस्था से उपाय करना आवश्यक है। स्तनपान कराने वाली माताओं को भी पौष्टिक भोजन प्राप्त करने की आवश्यकता होती है।

इसके लिए यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि छह महीने के बच्चे को ठीक से स्तनपान हो और 5 साल की उम्र तक संतुलित पौष्टिक आहार हो। हमारे देश में गर्भावस्था और प्रसव के दौरान मां के पोषण के लिए कोई ठोस नीति नहीं है। लेकिन अभी भी इसे बढ़ावा देने पर सार्वजनिक प्रवचन की कमी है, उदाहरण के लिए पहले छह महीनों में विशेष स्तनपान और प्रभावी नर्सिंग की सुविधा प्रदान करना, और फिर स्तनपान के विकल्प के रूप में बच्चे को उपयुक्त हल्का ठोस आहार प्रदान करना।वास्तव में, शिशु देखभाल करने वालों को अक्सर यह नहीं पता होता है कि छह महीने से अधिक उम्र के बच्चे को कितना, कौन सा और कितना खिलाना है। इतना ही नहीं, लेकिन ठोस आहार शुरू करने के बाद भी स्तनपान जारी रखना चाहिए। छोटे बच्चों में मोटापा स्तनपान के बारे में सटीक जानकारी की कमी का परिणाम है। पोषक तत्वों की कमी और गैर-संचारी रोगों की संभावना बढ़ जाती है। पर्याप्त भोजन न मिलने के कारण माता-पिता अपने बच्चों के नुकसान से अनजान हैं।

इस समय लोकसभा का मानसून सत्र आज सोमवार से शुरू हो रहा है।पक्ष विपक्ष द्वारा अनेक मुद्दों को उठाया जायेगा पर उसमें पर्याप्त भोजन न मिलने का मुद्दा नहीं है। दरअसल राजनीतिक घटनाओं को दिए जाने वाले महत्व को अब रोक कर बच्चों के पोषण पर गंभीरता से ध्यान देना जरुरी है। देश की भावी पीढ़ी के बच्चे जो देश की भावी पीढ़ी हैं, कम उम्र में ही कुपोषित हो जाएं तो देश का भविष्य क्या होगा? हम सभी के लिए अब इस पर मंथन करना महत्वपूर्ण है। कुपोषित बच्चों की समस्या गरीबों के घरों में ही नहीं बल्कि अमीरों के घरों में भी देखी जा रही है। गभार्धान से पहले महिलाओं को आहार पर मार्गदर्शन दिया जाना चाहिए। यदि कुपोषण की बढ़ती संख्या कम नहीं हुई, तो भविष्य डरावना होगा। अतः मोदी सरकार के लिए प्रगति के सतही मापदंड से हटकर भूख के बुनियादी मुद्दे पर ध्यान देना अति आवश्यक है। भूख मिटाने के लिए हमें खेती के स्तर से शुरूआत करनी होगी। किसानों को उचित मूल्य और आर्थिक व्यवहार्यता से वंचित करना भूख और कुपोषण को बनाए रखेगा। कृषि में निवेश करके, किसानों के लिए उचित मूल्य सुनिश्चित करके और मजबूत कल्याण कार्यक्रमों को लागू करके, भारत एक ऐसे भविष्य का मार्ग प्रशस्त कर सकता है, जहां प्रत्येक नागरिक को पौष्टिक भोजन उपलब्ध हो। इसके अलावा, केवल ऐसे कार्यक्रमों पर निर्भर रहना गरीबी उन्मूलन के जटिल मुद्दे को बहुत सरल बना देता है। सच्ची प्रगति के लिए एक बहुआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है जो न केवल खाद्य सुरक्षा, बल्कि रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और सामाजिक सुरक्षा को भी संबोधित करता है। अंततः, इसके लिए नव-उदारवादी पूंजीवाद की बाधाओं से आगे बढ़कर अधिक न्यायसंगत और समावेशी आर्थिक मॉडल की ओर कदम उठाना होगा। भूख के खिलाफ लड़ाई सिर्फ एक जरूरत नहीं है। यह हमारा नैतिक दायित्व भी है।

गौवंश की रक्षा हेतु उनकी दुर्दशा सुधार आवश्यक है!

-आत्माराम यादव पीव वरिष्ठ पत्रकार

भारतीय संस्कृति में गाय को माँ का स्वरूप माना गया है। वैज्ञानिकों ने भी यह सिद्ध किया है कि बच्चे के लिये माँ के दूध के बाद गाय का दूध ही सबसे अच्छा आहार है। हमारे कृषिप्रधान देश में गोपालन अर्थ-उपार्जन में भी अपना महत्त्वपूर्ण स्थान रखता है। हमारे शास्त्रों में गाय के पंचगव्य से स्वास्थ्य लाभ एवं वातावरण शुद्ध होने का बहुत महत्व बताया गया है। दूध, दही, घी के अलावा देशी गाय का गोमूत्र तथा गोमय अनेक तरह की बीमारियों; जैसे-दमा, शुगर, कैंसर में बहुत लाभकारी सिद्ध हुआ है। गोपालकों के लिये तो मुख्य रूप से गाय ही परिवार चलाने (जीविकोपार्जन) का मुख्य साधन है। शास्त्रों में जो गौ की महिमा आयी है, वह छिपी नहीं है। लोकजीवन में भी गौ हर तरह से महत्वपूर्ण और सनातन धर्म के सभी प्रकार के पूजा पाठ अनुष्ठान यज्ञ आदि में गौं के दूध, दही, घी, मक्खन आदि की उपयोगिता के बिना सभी कुछ अधुरा है। फिर विचारणीय है की इतना सब होते हुए भी क्या कारण है कि गायोंकी दिनोंदिन दुर्दशा ही हो रही है और गोपालक का ध्यान अपनी गायों से हट गया है और वे मात्र दूध से सम्बन्ध रखने केलिए उन्हें अपने घरों में बाँध कर खुले बाजारों, कचराघरों और कालोनियों में भूखा छोड़ देते है? यही नहीं किसान भी गौचर की व्यवस्था के लिए खेतों की मेड़ों को मिटाकर गाय के हक पर डांका डाल चूका है और खेतों के नरवाई में आग लगाकर भूसे के साधनों को नष्ट कर गाय आदि को प्रिय चारे भूसे से भी वंचित कर चूका है। परिणामस्वरूप आज गोबंश सड़कों पर मारा मारा फिर रहा है

इसपर विचार करें तो एक बात समझ में आती है कि आज के इस आर्थिक युग में गाय जब तक आर्थिक दृष्टिकोण से उपयोगी साबित नहीं होगी तब तक गायों की दशा सुधरनी मुश्किल है। गाय के साथ गोपाल के परिवार की आर्थिक व्यवस्था प्रत्यक्ष रूप से जुड़ी हुई है। अब प्रश्न यह आता है कि गाय को किस प्रकार आर्थिक दृष्टिकोण से उपयोगी बनाया जाए और गाय को कत्लखाने जाने से रोका जाए? इसपर विचार के लिये हमें थोड़ा पीछे दो दशक के पूर्व का इतिहास पलटना होगा कि पहले प्रत्येक किसान के साथ गाँव के हर घर और शहरों में लोग बड़ी संख्या में किस प्रकार गायों को पालते थे? उस समय हर घर में गाय का होना मानो जरूरी था, दूध-दही की नदियाँ बहती थीं। राजस्थान में तो साख-सम्बन्ध करते वक्त यह कहावत थी कि 'धीणो घणो ही है बेटी सोरी रेसी' जिसके यहाँ जितनी अधिक गायें होती, वह परिवार उतना ही आर्थिक सम्पन्न माना जाता। नन्द बाबा के पास नौ लाख गायें थीं। उनके राज्यमें सारी प्रजा सुखी-समृद्ध थी। लोगों में परस्पर इतना अपनत्व और प्रेम था कि किसी के घर किसी कारणवश दूध-दही या बिलौना नहीं होता तो उन्हें छाछ ले जानेका संदेश भिजवाते और प्रेम के वशीभूत यह छाछ घर घर निशुल्क पहुँच जाता और लोगो में आपसी प्रेम की प्रगाड़ता के चर्चे कुओं झपनघट पर महिलाये करती तो वही चोपालों पर दरियादिली की किस्से सुनाकर और सुनकर लोग आनन्दित होते पर आज गाय पालना महँगा पड़नेके कारण धीरे-धीरे सभी जन इस व्यवसायसे पीछे हट रहे हैं और गायोंकी स्थिति दयनीय होती जा रही है।

प्रश्न उठता है कि हमारे पूर्वज किस व्यवस्था के अन्तर्गत इतनी संख्या में गाय रखते थे। इसके लिये निम्न चार बातों पर हमें ध्यान देना होगा- (१) स्वयं द्वारा परिश्रम, (२) गोचर भूमियों को सुधार कर उसमें चारागाह विकसित करना, (३) अच्छे किस्म के सांड तैयार कर के देसी नस्ल में सुधार लाना ताकि गाय दुधारू हों और (४) गोपालकों को दूध, घी अथवा पंचगव्य उत्पादों का सही भाव मिल सके, ऐसी व्यवस्था करना। यहाँ इन्हीं चार बातों पर कुछ विचार प्रस्तुत हैं-(१) इसमें सबसे पहला कारण है कि हमारे पूर्वज निष्ठापूर्वक अपने हाथों से गायों की देखभाल करते थे। अपने खेतों में गायों के खाने का चारा उगाने के लिये अलग से व्यवस्था रखते थे, जिससे गायें खेतों में विचरण करके हरी घास चर लेतीं, खेती समाप्त होने के बाद खलिहानों से तथा खेतों में उगा हुआ घास-फूस इकट्ठा करके घर पर लाकर साल भर के लिए गायों के लिये घास की व्यवस्था कर लेते। इसके पश्चात खेतों में बचे-खुचे घास-फूस को करने के लिये गाँव में चरवाहे की व्यवस्था होती थी जो गायों को खेतों में चराने के लिए ले जाता, करीब दो माह तक पेट भरकर गायें सभी खेतों में खुले में चरकर आर्ती, इससे गोपालक को घास-चारा खरीदने का आर्थिक बोझ नहीं पड़ता, साथ ही इनके गोबर से खेतों की जमीन की उर्वरा शक्ति भी अच्छी रहती थी। उस समय खेती बैलों द्वारा की जाती थी, लेकिन आज बैलों का स्थान ट्रैक्टरों ने ले लिया है। ट्रैक्टरों द्वारा खेती होने से गोवंश तथा किसान दोनों का भयंकर नुकसान हुआ है और मशीनी उपकरणों के कारण गाय बैल खेती के बाहर कर हमारी प्रारम्भिक परम्परा का किस्सा बनकर रह गए जो किस्से अब किसी को पता भी नहीं है। यही कारण था जैसे ही हम आधुनिकता की और बड़े और मशीनों का उपयोग शुरू हुआ हमने गाय और बैलों को पालने की बजाय बूचड़खानों में कटने भेजना शुरू कर खुदं अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मारी है। किसान और गोपालक परिश्रम से भागने लगा और ट्रैक्टरों द्वारा खेती होने से घास-फूस के पौधे जड़सहित उखड़ने के कारण खेतोंमें घास होना प्रायः बन्द हो गया जिससे गौचारा नष्ट हो गया और किसान ने अपनी गौ के पेट का ख्याल न रख उसे कचरा पन्नी और घर की जूठन खाने के लिए छोड़ दिया। आज ऊजार्के स्त्रोत की न्यूनता के कारण ट्रैक्टर और रासायनिक खाद द्वारा खेती बहुत महँगी पड़ने लगी। साथ ही घास-चारे के नहीं उगने के कारण गोवंश की दुर्दशा होने लगी। खेती में रसायनों के प्रयोगसे पशुधन और मानव अनेक तरह की बीमारियों का शिकार होकर असमय मरने लगे तो कुछ लोग लालच में की मरने वे पहले कुछ फायदा हो जाए वे अपन गौ बैल को कसाई के हवाले कर बुचडखाने भेजने लगे। सभी लोग चाहते है की गौं से दूध, दही घी और गोबर मिले किन्तु परिवार में गायें पालने में घर की जिन माता बहनों का योगदान रहता था और वे दूध दुहना, बिलोना करना, घर पर गायों की देखरेख का कार्य कर लेती थीं, लेकिन आज यह बात नहीं रह गयी है, इसलिए माता बहनों के योगदान की बिना अब कोई भी परिवार गायें रखना न चाह कर गाय पालना बंद करते जा रहा है।

किसानों के साथ साथ हर सनातनी परिवार को चाहिये कि सरकार एवं दानदाताओं के भरोसे न रहकर स्वयंद्वारा परिश्रम करके पूर्वजों की इस प्रक्रिया को पुनः दोहराकर जैविक खेती-बैलोंद्वारा खेतोंमें घास उगाकर, परिवार में गायें रखकर गोवंशको बचायें।यह आवश्यक हो जाना चाहिए की हर गाँव में गायों के चरानेके लिये गोचरभूमियों की व्यवस्था व उसका अच्छी तरहसे रखरखाव और उसकी सुरक्षा करना हर व्यक्ति अपना कर्तव्य समझे और अगर जिस स्थान पर गोचरभूमियाँ को खत्म किया गया है या दूसरों ने कब्जा किया है तो तत्काल उससे मुक्त कर बची हुई भूमि के साथ उक्त भूमि की बजो देखभाल शुरू होकर गौचारे की व्यवस्था बनाई जावे और पिछले वर्षोंमें भूमि की अभाव में गोचरभूमियोंकी भी बड़ी दुर्दशा हुई है,उसपर काम किया जाकर अभिलम्ब गौचरभूमि को हर हाल में सुरक्षित एवं संरक्षित किया जाए। हम या आप या सरकार हाथ पर हाथ रखकर बैठे रहे इससे इस समस्याका समाधान नहीं होगा। हमें गोचर भूमियों को जोत कर और उसमें प्रकृति के अनुरूप घास लगाकर पुनः विकसित करना होगा। गोचर भूमि में स्वच्छंद वातावरण में गायें चरने से गायें जहाँ स्वस्थ रहती हैं, वहीं उन्हें तरह-तरह की वनस्पति चरनेके लिये मिलने से दूध स्वास्थ्यवर्धक एवं ज्यादा होता है, जिससे गोपालक पर आर्थिक बोझ कम आता है।

हमारे पूर्वजों के समय प्रत्येक गाँव में अच्छे नस्ल के देसी सांड हुआ करते थे। सांड को गुड़, रोटी देना तथा उसकी देखरेख करना हर ग्राम वासी अपना धर्म समझता था। अच्छी नस्ल के सांड से गाय भी स्वस्थ एवं दुधारू होती थीं, लेकिन अब गाँवों में नस्ल की बात तो दूर सांड भी देखने को नहीं मिल रहे हैं। निरन्तर लापरवाही और किसानों के लालच के कारण पौष्टिक आहार नहीं मिलने से गोवंश कमजोर होता चला गया। आज गायों का दूध इतना कम हो गया कि गोपालक को दूध की मिलने वाली कीमत से पौष्टिक आहार तो दूर घास-चारे की व्यवस्था करना भी मुश्किल पड़ता है। इसके लिये उपयोगी सांड तैयार करके नस्ल सुधार करना बहुत जरूरी हो गया है। हर गांव में अच्छी नस्ल के सांड रखकर हमें पुनः दुधारू गाय तैयार करना होगा। हम सभी को तथा सरकार को चाहिये कि देशी गाय के गोमूत्र और गोमय के गुणवत्ता की अच्छी तरह जांच कर इस का फामूर्ला तैयार करके जिन रोगों में यह लाभकारी हो, उसकी दवाइयां बनाकर जनमानस को स्वास्थ्य में होने वाले लाभ के बारे में जानकारी दें। आज करोड़ों रुपये अंग्रेजी दवाइयों में खर्च होते हैं, किंतु यदि यह सस्ता इलाज जनता के लिये लाभकारी हो तो इससे मानव तथा गोवंश दोनों की रक्षा हो सकती है।

गलती पर नहीं, इंसानियत पर ध्यान दीजिए

इंसान खता का पुतला है। हर कोई जीवन में कभी न कभी गलती करता है, और यही उसकी इंसानियत की असली पहचान है।

समाज में जब हम इंसान शब्द का उच्चारण करते हैं, तो उसके साथ भावनाएं, संवेदनाएं और कमजोरियाँ स्वतः जुड़ जाती हैं। इंसान न तो देवता है, न मशीन। वह सोचता है, समझता है, कोशिश करता है, और कभी-कभी उसी कोशिश में गलती भी कर बैठता है। मगर समस्या तब शुरू होती है जब समाज उस गलती को इंसान की पहचान बना देता है—न कि उसकी सीख। आज का सामाजिक परिवेश

एक विचित्र मनोवृत्ति की गिरफ़्त में है। यहाँ सहयोग से ज्यादा आलोचना सहजता से मिलती है। अगर कोई व्यक्ति गिरता है, तो उसे उठाने वाले हाथ कम होते हैं और मजाक उड़ाने वाले शब्द अधिक। सोशल मीडिया ने इस प्रवृत्ति को और विकराल बना दिया है – जहाँ गलतियों को सुधारने का नहीं, बल्कि उछालने का चलन ज्यादा हो गया है।

(गलती करना इंसानी फितरत है)

हम सब कभी न कभी, किसी न किसी रूप में गलतियाँ करते हैं – यह कोई अपराध नहीं, बल्कि जीवन का एक हिस्सा है। बच्चा चलना सीखता है तो गिरता है। विद्यार्थी उत्तर लिखते हुए भूल करता है। बड़े निर्णय लेते समय कोई चूक हो सकती है। इसका अर्थ यह नहीं कि वो व्यक्ति असफल है या बुरा है। वास्तव में, जो व्यक्ति गलती करता है, वो कुछ नया कर रहा होता है। जो गलती से सीखता है, वही भविष्य में मजबूत बनता है।

मगर दुख की बात यह है कि हममें से कई लोग दूसरों की छोटी चूक को इतना बड़ा बना देते हैं कि व्यक्ति शर्मिंदा होकर अपने आप में सिमटने लगता है। दूसरों की नाकामी को हाइलाइट करना, आलोचना करना, या मजाक उड़ाना, अब एक सामाजिक मनोरंजन बन गया है। और यही सबसे बड़ी असंवेदनशीलता है।

(अगर समर्थन नहीं दे सकते, तो विरोध भी न कीजिए)

हर किसी के पास समर्थन देने की शक्ति नहीं होती, लेकिन इतना जरूर संभव है कि हम चुप रहकर किसी का हौसला न तोड़ें। किसी की मदद नहीं कर सकते, तो उसे गिराने की कोशिश भी न करें। यह बहुत आसान है कि हम दूसरों की कमजोरियों पर अंगुली उठाएं, मगर कहीं न कहीं हमारी अपनी ज़िंदगी में भी कई ऐसे पल आए होंगे जब हमने गलती की और किसी ने हमें माफ किया। शांति बनाए रखना, सहानुभूति दिखाना और गलतियों को अवसर की तरह देखना, यही सच्ची मानवता है। जब किसी की चूक पर समाज उसे नकारने की बजाय उसे समझने की कोशिश करता है, तब एक नई सभ्यता का निर्माण होता है।

(समझिए दर्द, माफ कीजिए भूल)

माफ करना कमजोरी नहीं, बल्कि आत्मबल का प्रतीक है। जब हम किसी की गलती को समझकर माफ करते हैं, तो हम उसे एक और मौका देते हैं – खुद को साबित करने का, अपने आप को सुधारने का। एक क्षमा, कई बार जीवन बदल सकती है। यह भी याद रखने योग्य है कि गलती करने वाला हर व्यक्ति हमेशा गलत नहीं होता। कभी-कभी परिस्थितियाँ, दबाव, या अज्ञानता भी किसी को चूक की ओर ले जाती हैं। ऐसे समय पर इंसानियत यह मांग करती है कि हम उससे नफरत न करें, बल्कि उसके दर्द को समझें।

समाज को ठोकरों की नहीं, सहारे की जरूरत है

कोई समाज तब सशक्त बनता है जब उसके लोग एक-दूसरे की कमजोरियों को ढाल बना लें, हथियार नहीं। जब हम दूसरों की पीठ पीछे उनकी आलोचना करने की बजाय, सामने आकर उन्हें समझाएं, उनका मनोबल बढ़ाएं। इंसान को अगर रास्ता दिखाया जाए तो वह भटकेगा नहीं, मगर उसे ताने दिए जाएं तो वह और भटकता है।

आज हमारे समाज को आत्मनिरीक्षण की जरूरत है। क्या हम किसी के गिरने पर हँसते हैं, या उसे उठाने के लिए हाथ बढ़ाते हैं? क्या हम दूसरों की गलती को उनके जीवन की आखिरी पहचान बना देते हैं, या उन्हें सीखने और आगे बढ़ने का मौका देते हैं?

निष्कर्षः इंसान की महानता उसकी परिपूर्णता में नहीं, बल्कि उसकी गलतियों को स्वीकार करने और दूसरों की गलतियों को माफ करने की क्षमता में होती है। अगर हम हर गलती पर तलवार निकाल लेंगे, तो न कोई दोस्त बचेगा, न समाज।

अगर आपका हाथ सहारा देने के लिए नहीं उठ सकता, तो उसे गिराने के लिए भी मत उठाइए। यही सोच हमें एक बेहतर, दयालु और समझदार समाज की ओर ले जा सकती है। हम इंसान हैं और इंसानियत की सबसे बड़ी पहचान है कि हम एक-दूसरे को गिरते नहीं देखना चाहते, बल्कि एक-दूसरे को थामे रखना चाहते हैं।

-सैय्यद जावेद जैदी
(वरिष्ठ समाजसेवी)

समरस फाउंडेशन ने किया शिक्षक नेता शरद सिंह का सम्मान

मुंबई (उत्तरशक्ति)। महानगर की प्रतिष्ठित सामाजिक संस्था समरस फाउंडेशन द्वारा आज बोरीवली पूर्व स्थित कार्यालय में शिक्षक सभा के महासचिव तथा बीएमसी के वरिष्ठ शिक्षक शरद सिंह का सम्मान किया गया। संस्था के चेयरमैन डॉ किशोर सिंह ने शॉल तथा पौधा से उनका सम्मान किया। इस अवसर पर संस्था के महासचिव वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे, उपाध्यक्ष मुकुंद शर्मा उपाध्यक्ष मानिकचंद यादव, संगठन मंत्री सुरेंद्र पांडे, विधि सलाहकार एड प्रशांत परदेसी, भोला वर्मा तथा पूरव गांधी उपस्थित रहे। महापौर पुरस्कार से सम्मानित शरद सिंह, 1 अगस्त से सेवानिवृत हो रहे हैं। 27 जुलाई को गोरेगांव पूर्व स्थित आईबी पटेल मनपा शाला सभागृह में दोपहर 11 बजे से उनकी सेवा संपूर्ति सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया है। संस्था की तरफ से उन्हें सेवानिवृत्ति की अग्रिम शुभकामनाएं दी गई।

उत्तर भारतीय संघ के अध्यक्ष संतोष सिंह के चचेरे भाई का निधन

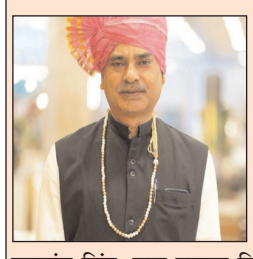

मुंबई (उत्तरशक्ति)। उत्तर भारतीय संघ के अध्यक्ष संतोष आरएन सिंह के चचेरे भाई तथा संघ के ट्रस्टी जयसिंह का आज 51 वर्ष की उम्र में दुखद निधन हो गया। वह काफी दिनों से बीमार चल रहे थे। उनके निधन की खबर मिलते ही शोक की लहर दौड़ गई। महाराष्ट्र के मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा, पूर्व गृह राज्यमंत्री कृपाशंकर सिंह, विधायक राजहंस सिंह, ज्ञान प्रकाश सिंह, डॉ राधेश्याम तिवारी, संजय सिंह, डॉ किशोर सिंह, चित्रसेन सिंह, जयप्रकाश सिंह, देवेंद्र तिवारी, उदय प्रताप सिंह, राजकुमार सिंह, अक्षयबर तिवारी, सुरेश सिंह, अखिलेश सिंह, अनिल गलगली, आदित्य दुबे, विजय सिंह कौशिक, राम नगीना यादव समेत अनेक लोगों ने गहरा दुख प्रकट करते हुए उनकी आत्मा की शांति हेतु ईश्वर से प्रार्थना की है। वे भांडुप में रहते थे।

राष्ट्रीय हिंदू सेवा संघ ने किया शिव कांवड़ियों का खूब सेवा सत्कार

पालघर(उत्तरशक्ति)। सावन मास के पावन अवसर पर आयोजित शिव कांवड़ यात्रा में राष्ट्रीय हिंदू सेवा संघ ने कांवड़ियों की निःस्वार्थ सेवा कर एक अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया। संघ द्वारा सम्राट होटल के सामने भव्य सेवा शिविर लगाया गया, जहां श्रद्धालु कांवड़ियों के लिए निःशुल्क पानी की बोतलें, चाय और बिस्किट की व्यवस्था की गई थी। संघ की पूरी टीम पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ सेवा में जुटी रही। यह पवित्र यात्रा अवधनगर स्थित दुर्गा मंदिर से प्रारंभ होकर चिंचणी, दहानू होते हुए संजान में स्थित महंत श्री 108 ऋषिजी महाराज आश्रम तक जाएगी। कल, सावन के दूसरे सोमवार के पावन दिन, सभी श्रद्धालु शिवलिंग पर जलाभिषेक करेंगे। सेवा शिविर के दौरान महंत श्री 108 ऋषिजी महाराज, जो 1008 सरखंडी महाराज के कृपापात्र शिष्य हैं, ने सेवा में लगे सभी कार्यकताओं को आशीर्वाद प्रदान किया। इस सेवा कार्य में संघ की प्रदेश कमेटी से ललित माली, रोहित सिंह, यजुवेंद्र सावे, संगीता जायसवाल, संरक्षक विनोद पोद्दार व नंदकुमार दहिवडेकर, पालघर जिला अध्यक्ष लक्ष्मण बेदाडे, उपाध्यक्ष पिंटू मिश्रा, सुनीता सकपाल, विनोद शर्मा, राजकुमार शाह, सत्येंद्र यादव समेत पूरी टीम की उल्लेखनीय भागीदारी रही।राष्ट्रीय हिंदू सेवा संघ की गौ सेवा टीम ने भी कार्यक्रम को भव्य बनाने में सक्रिय भूमिका निभाई। पालघर गौ सेवा उपाध्यक्ष भीम गढ़वी के नेतृत्व में पूरी टीम दिनभर कांवड़ियों की सेवा में लगी रही।

जयेश ताइक्वांदो अकादमी के खिलाड़ियों का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन

मुंबई। मुंबई स्थित जयेश ताइक्वांदो अकादमी ने अपने शानदार प्रदर्शन से एक बार फिर वैश्विक स्तर पर भारत का नाम रोशन किया है। बता दें कि 19 से 20 जुलाई तक थाईलैंड के बैंकॉक स्थित फैशन आइलैंड में आयोजित 11वीं तिरक ताइक्वांदो अंतर्राष्ट्रीय चैंपियनशिप में अकादमी के 15 खिलाड़ियों ने अकादमी के प्रधानाध्यापक जयेश वेल्हाल के मार्गदर्शन में उल्लेखनीय प्रदर्शन करते हुए 60 से अधिक पदक जीते। इस प्रतियोगिता में विभिन्न देशों के 2500 से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता के मुख्य कार्यक्रम पूमसे, क्युरोगी, स्पीडकिकिंग और स्पीडपंच थे। इसमें कुल 68 पदक जीते गए। इनमें 16 स्वर्ण, 23 रजत और 29 कांस्य पदक शामिल हैं। जयेश अकादमी के प्रमुख जयेश वेल्हाल और उनके सह-प्रशिक्षकों निशांत शिंदे, विक्रांत देसाई, यश दलवी, कृपेश राणाक्षेत्रे, चंदन परिदा, स्वप्निल शिंदे, फ्रैंक कनाडिया ने इस अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए गहन और अनुशासित तैयारी की। कई महीनों तक चले प्रशिक्षण सत्रों के दौरान, शारीरिक फिटनेस, तकनीकी कौशल, मानसिक तैयारी और आहार के सभी पहलुओं पर विशेष ध्यान दिया गया। खिलाड़ियों को चार प्रमुख विधाओं - पूमसे, क्यूरोगी, स्पीडकिकिंग और स्पीडपंच - पर केंद्रित अत्याधुनिक प्रशिक्षण दिया गया।

पालकमंत्री गणेश नाईक की अध्यक्षता में जिला नियोजन समिती बैठक संपन्न

स्वास्थ्य, शिक्षा और बुनियादी सुविधाओं के कार्यों को प्राथमिकता से पूरा करें : गणेश नाईक

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। वन मंत्री एवं पालघर जिला पालकमंत्री गणेश नाईक की अध्यक्षता में जिला नियोजन समिति की महत्वपूर्ण बैठक जिलाधिकारी कार्यालय के आत्माराम पाटील नियोजन सभागृह में संपन्न हुई। बैठक में जिले के सांसद सुरेश म्हात्रे, विधायक ज्ञानेश्वर म्हात्रे, राजेंद्र गावित, दौलत दरोडा, शांताराम मोरे, विलास तरे, विनोद निकोले, हरिश्चंद्र भोये, स्नेहा दुबे पंडित व राजन नाईक, जिलाधिकारी डॉ इंदुरानी जाखड़, जिला परिषद मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे, पुलिस अधीक्षक यतीश देशमुख, दहानू प्रकल्प अधिकारी विशाल खत्री, जव्हार प्रकल्प अधिकारी अपूर्वा बासुर, जिला नियोजन अधिकारी प्रशांत भामरे एवं अन्य संबंधित सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

इस बैठक में 5 फरवरी 2025 को हुई पिछली समिति बैठक की कार्यवाही को मंजूरी प्रदान की गई। साथ ही वर्ष 2024-25 की जिला वार्षिक योजना के तहत आदिवासी घटक, सर्वसाधारण व विशेष घटक योजनाओं की अंतिम संशोधित तरतूदों को स्वीकृति दी गई। बताया गया कि तकनीकी कारणों से ?3.41 करोड़ की राशि प्रत्यर्पित की गई है, जबकि शेष निधि कार्यान्वयन के लिए संबंधित यंत्रणाओं को वितरित की गई है। वर्ष 2024-25 के लिए ?688.50 करोड़ का कुल बजटीय प्रावधान किया गया था, जिसमें से ?685.09 करोड़ की

राशि कार्यों के लिए वितरित की गई। अब तक ?444.64 करोड़ की राशि का प्रत्यक्ष व्यय किया जा चुका है। शेष निधि को पूर्ण रूप से खर्च करने हेतु पालकमंत्री गणेश नाईक ने सभी यंत्रणाओं को समयसीमा के भीतर कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। वर्ष 2025-26 के लिए कुल ?799.43 करोड़ का बजटीय प्रावधान प्रस्तावित किया गया है, जिसमें ?410.13 करोड़ (आदिवासी घटक), ?375.00 करोड़ (सर्वसाधारण), और ?14.30 करोड़ (विशेष घटक) शामिल हैं। पालकमंत्री नाईक ने निर्देशित किया कि यह निधि प्रत्येक तहसील की जनसंख्या, समस्याओं और प्राथमिकताओं के अनुसार समन्याय पद्धति से वितरित की जाए। स्वास्थ्य, शिक्षा, मूलभूत व पायाभूत सुविधाओं से जुड़ी योजनाओं को विशेष प्राथमिकता देने की बात कही गई। इस अवसर पर डहाणू वन विभाग द्वारा तैयार की गई ह्लबांबू से समृद्धि की ओरह्व पुस्तक का लोकार्पण भी पालकमंत्री के हाथों संपन्न हुआ। साथ ही पालघर की 93.4 हेक्टेयर सरकारी भूमि पर पर्यावरणीय दृष्टिकोण से आधारित एक प्रस्तावित वन उद्यान की संकल्पना भी प्रस्तुत की गई, जिसे आगामी शहरीकरण की पृष्ठभूमि में विकसित किया जायेगा।

बैक बेंचर्स कैफेटेरिया रेस्टोरेंट का किया गया उद्घाटन

आदेश मिश्रा

मुंबई(उत्तरशक्ति)। मुंबई के मुलुंड वेस्ट स्टेशन के पास नई प्रतिष्ठान बैक बेंचर्स कैफेटेरिया रेस्टोरेंट का रविवार को वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भव्य उदघाटन हुआ। उद्घाटन समारोह में अतिथि के तौर पर उपस्थित ईशान्य मुंबई के सांसद संजय दीना पाटिल, मुलुंड विधानसभा के विधायक मिहिर कोटेचा, मुंबई भाजपा उपाध्यक्ष एवं श्री सिद्धविनायक मंदिर के कोषाध्यक्ष आचार्य पवन त्रिपाठी भाजपा सचिव प्रमोद मिश्रा, भाजपा नेता संजय शर्मा, के आर सिंह तथा पत्रकार अविनाश पांडेय,भाजपा मंडल अध्यक्ष भास्कर दुबे, समाजसेवी रामसजीवन दुबे, पत्रकार ध्रुव तिवारी, पत्रकार एवं विशेष कार्यकारी अधिकारी महाराष्ट्र शासन आदेश मिश्र, भोलानाथ गुप्ता सहित आए हुए सभी अतिथियों का प्रतिष्ठान के अधिष्ठाता आशीष तिवारी,विवेक शाहू के द्वारा अंगवस्त्र गुलदस्ता भेंटकर जोरदार स्वागत किया।

स्वस्थ रहना है तो बाहर के खान-पान से बचना होगा : डॉ मेघना सिंह

मुंबई (उत्तरशक्ति)। बांद्रा के होटल ताज लैंडसन में मेघाश्रेय संस्था द्वारा आयोजित स्वास्थ्य को लेकर 30 डेज वेट लास चैलेंज कार्यक्रम में बोलती हुई डॉ मेघना सिंह ने कहा कि बाहर की तमाम प्रकार की गलत खान पान की सामग्री की वजह से शरीर में आज तमाम प्रकार की बिमारियां फैल रही है अगर आपको स्वास्थ्य रहना है तो आपको बाहर के खान पान से बचना होगा और घर के खान पान को अपनाना होगा तथा शरीर को पौष्टिक आहार विटामिन्स, प्रोटीन्स, मिनरल्स व कैल्शियम युक्त खाद्यपदार्थ प्रदान करना होगा जिससे जहाँ आप विभिन्न प्रकार के बिमारियों से बच सकते हैं वहीं शरीर में मोटापे को कंट्रोल कर सकते हैं मोटापे की वजह से शरीर में कोलेस्ट्राल बढ़ने से जहाँ एक ओर

हार्ट अटैक जैसी भयंकर बिमारी का खतरा का खतरा बढ़ जाता है वहीं शरीर अन्य विभिन्न प्रकार की बिमारियों का शिकार हो जाता है इसलिए मोटापे को कंट्रोल करके आप बड़ी बड़ी बिमारियों से बच सकते हैं उन्होंने कहा कि आज के कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य यही है कि आप सब लोग लोगों में मोटापे को लेकर जागरूकता फैलाये ताकि लोग मोटापे को कंट्रोल कर तमाम प्रकार की बिमारियों से बच सके। वही संस्था की अध्यक्षा व समाजसेविका सीमा सिंह ने कहा कि आज के कार्यक्रम में आये सभी लोगों से मेरी प्रार्थना है कि आप सब लोग बाहर के केमीकल्स से बनाये जा रहे खाने की वस्तुओं से परहेज करे और फल, मिल्क व हरी सब्जियों का सेवन करें तथा सुबह शाम योगा करें ताकि आपका वजन कंट्रोल रहे और आप स्वस्थ रहे मस्त रहे। इस मौके पर जिन पांच लोगों ने 30 डेज में वजन पर काफी कंट्रोल व तकरीबन 25 किलो वजन कम किया उन लोगों को संस्था की अध्यक्षा सीमा सिंह व प्रमुख अतिथी साइना एन सी तथा मिकी मेहता द्वारा सील्ड, सॉल तथा बुके देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में आये हुए अतिथियों का संस्था अध्यक्षा सीमा सिंह व फाउंडर सदस्य श्रेय सिंह ने आभार प्रकट किया। बता दें कि कार्यक्रम में समाजसेविका व राजनीतिज्ञ साइना एनसी, योगा टीचर मिकी मेहता, सीमा सिंह, डॉ मेघना सिंह, श्रेय सिंह के साथ साथ कार्यक्रम में सैकड़ों की संख्या में महिला व पुरुष उपस्थित थे।

शहर के विभिन्न मुद्दों को लेकर आमदार कुमार आयलानी ने किया मनपा आयुक्त से मुलाकात

जिलाध्यक्ष राजेश वधर्या व पूर्व नगरसेवक जमनु पुरस्वानी भी रहे उपस्थित

चेतन निर्मल

उल्हासनगर (उत्तरशक्ति)। शहर के विभिन्न मुद्दों को लेकर आमदार कुमार आयलानी ने सोमवार को मनपा आयुक्त मनीषा आव्हाले से भेंट की इस दौरान उनके साथ जिलाध्यक्ष राजेश वधर्या व पूर्व नगरसेवक जमनु पुरस्वानी भी मौजूद रहे।

मनपा आयुक्त मनीषा आव्हाले द्वारा सभी संबंधित अधिकारियों को भी इस बैठक में बुलाया गया।

मानसून के दौरान सबसे बड़ी समस्या शहर के गड्ढों पर मनपा आयुक्त से विस्तृत चर्चा हुई तथा

जल्द से जल्द समाधान करने को कहा गया। जलापूर्ति की व्यवस्था सुचारू न होने, रेगुलराइजेशन, गिराई गई इमारतों का मलबा हटाने तथा उनके संपत्ति कर के संबंध में, मनपा की 25 प्रतिशत एफएसआई वाली संपत्तियों को कब्जे में लेने व अन्य कई आवश्यक मुद्दों पर कदम उठाने को लेकर मनपा आयुक्त के साथ चर्चा हुई।

विश्व यादव संघ द्वारा यादव व मुंबई वीर अहिरानी ट्रस्ट द्वारा यादव एकता के लिये कार्यक्रम संपन्न

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। कोपर के आयरे रोड म्हात्रे नगर स्थित अटल बिहारी वाजपेयी गार्डन स्थित हाल में विश्व यादव संघ व मुंबई वीर अहिरानी ट्रस्ट व आदर्श छठ सामाजिक संस्था तथा पूर्वांचल विकास परिवार के संयुक्त तत्वावधान में यदुवंशी समाज की एकता ,विकास , आभिररास व हिन्दी विरुद्ध मराठी पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया । बतादें कि विश्व यादव संघ के अध्यक्ष मोतीलाल यादव के नेतृत्व में मुंबई वीर अहिरानी ट्रस्ट की महासचिव पूनम यादव व आदर्श छठ सामाजिक संस्था के अध्यक्ष रामदुलारे यादव की उपस्थिति में पूर्वांचल विकास परिवार के अध्यक्ष डा. दगेश

यादव की अध्यक्षता में कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन व आरती से की गयी । इस अवसर पर मुख्य अतिथियों में सनातन सामाजिक संस्था के अध्यक्ष चौधरी गयाप्रसाद यादव , कृष्णा धर्म के अध्यक्ष संतोष यादव , एडवोकेट लालजी यादव , राममूर्ति यादव , लालचंद यादव , गिरधर यादव , रणविजय यादव , आचार्य सूरजपाल यादव , सभाजीत यादव , ईश्वरदेव यादव , संतोष यादव , राममूरत यादव , जसवंत यादव , प्रकाशचंद यादव , परमा यादव आदि गणमान्य लोगों के साथ गायत्री यादव , उर्मिला यादव , आकांक्षा यादव उपस्थित थी । कार्यक्रम को सफल बनाने में पारसनाथ यादव , सुरेश यादव , आर डी यादव , प्रमोद यादव आदि की मुख्य भूमिका रही है ।

पालघर जिला अस्पताल में रक्तपेढ़ी का पालक मंत्री गणेश नाईक के हाथों उद्घाटन

पालघर(उत्तरशक्ति)। पालघर जिला अस्पताल में रोटरी क्लब ऑफ मुंबई द्वारा स्थापित रक्तपेढ़ी (ब्लड बैंक) का उद्घाटन महाराष्ट्र के वनमंत्री एवं पालघर जिले के पालक मंत्री गणेश नाईक के करकमलों द्वारा संपन्न हुआ। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि ₹रक्तदान एक पवित्र कार्य है, समय पर रक्त न मिलने से कई बार मरीज की जान भी जा सकती है। इस रक्तपेढ़ी के माध्यम से जरूरतमंद मरीजों को नया जीवन मिलेगा। इस उद्घाटन समारोह में विधायक राजेंद्र गावित, जिला परिषद के पूर्व अध्यक्ष प्रकाश निकम, जिलाधिकारी डॉ. इंदूराणी जाखड़, जिला शल्यचिकित्सक डॉ. रामदास मराड, रोटरी क्लब अध्यक्ष डॉ. बालकृष्ण इनामदार समेत क्लब के अन्य पदाधिकारी, कर्मचारी तथा गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। पालक मंत्री गणेश नाईक ने रोटरी क्लब की सराहना करते हुए कहा कि क्लब के सदस्य निःस्वार्थ भाव से, बिना किसी

प्रचार-प्रसार के जनहित में कार्य कर रहे हैं।

उन्होंने विश्वास जताया कि भविष्य में भी रोटरी क्लब का सहयोग इसी प्रकार पालघर के नागरिकों को मिलता रहेगा। उन्होंने जानकारी दी कि अब तक इस रक्तपेढ़ी के माध्यम से 252 मरीजों को रक्त उपलब्ध कराया गया है और कुल 5 रक्तदान शिविरों का आयोजन किया गया है। यह पहल पालघर के स्वास्थ्य क्षेत्र में एक नई संजीवनी सिद्ध होगी। उद्घाटन कार्यक्रम के उपरांत पालक मंत्री गणेश नाईक ने जिलाधिकारी कार्यालय प्रांगण में वृक्षारोपण भी किया। इस दौरान उन्होंने सुरंगी और बकुली के पौधे लगाए। वृक्षारोपण कार्यक्रम में विधायक राजेंद्र गावित, विधायक ज्ञानेश्वर म्हात्रे, जिलाधिकारी डॉ. इंदूराणी जाखड़ सहित अन्य मान्यवर उपस्थित थे।

यूबर्ग पल्स ने महेंद्र सिंह धोनी के साथ मिलकर किया रांची में सर्वप्रथम अपग्रेडेड पीईटी-सीटी के साथ अत्याधुनिक इंटेग्रेटेड डायग्नोस्टिक्स सेंटर का उदघाटन

मुंबई/पटना। भारत की सबसे तेजी से बढ़ती डायग्नोस्टिक श्रृंखलाओं में से एक, न्यूबर्ग पल्स डायग्नोस्टिक्स ने रांची में अपना पहला अत्याधुनिक इंटेग्रेटेड डायग्नोस्टिक्स सेंटर शुरू किया है, जो शहर का पहला अपग्रेडेड पीईटी-सीटी स्कैनर लेकर आया है। न्यूबर्ग डायग्नोस्टिक्स ने पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार, झारखंड और पूर्वोत्तर राज्यों सहित पूर्वी क्षेत्र में अपनी उपस्थिति मजबूत करने के लिए कोलकाता स्थित पल्स डायग्नोस्टिक्स के साथ एक संयुक्त उद्यम स्थापित किया है। इस सेंटर का उद्घाटन महेंद्र सिंह धोनी ने न्यूबर्ग डायग्नोस्टिक्स के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक डॉ. जीएसके वेलु, न्यूबर्ग पल्स डायग्नोस्टिक्स की सीईओ और प्रबंध निदेशक सुश्री सुनैना बिहानी और रांची तथा पूरे भारत के कई अन्य चिकित्सकों और गणमान्य हस्तियों की उपस्थिति में किया। रांची में न्यूबर्ग पल्स डायग्नोस्टिक्स सेंटर, क्रिकेट के दिग्गज श्री एम.एस. धोनी के पूर्व निवास, हरमू कॉलोनी के ऐतिहासिक स्थल पर बनाया गया है, जहाँ वे अपने परिवार के साथ अपने शुरूआती वर्षों में रहते थे। यह अत्याधुनिक केंद्र एक ही छत के नीचे व्यापक नैदानिक सेवाएँ प्रदान करता है, जिसमें पैथोलॉजी, रेडियोलॉजी, न्यूक्लियर मेडिसिन, कार्डियोलॉजी, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी और निवारक स्वास्थ्य सेवाएँ शामिल हैं।

बंधन लाइफ ने लॉन्च किया आईइन्कम वेल्थ

मुंबई/मधुबनी। बंधन ग्रुप की जीवन बीमा कंपनी, बंधन लाइफ इंश्योरेंस ने आज बंधन लाइफ आईइन्कम वेल्थ प्लान लॉन्च किया। यह प्लान प्रीमियम भुगतान के 5 से 7 कार्यदिवस के भीतर तुरंत आय देना शुरू करता है और उम्र 100 साल तक जीवन कवर प्रदान करता है। इस आय में गारंटीड भुगतान के साथ-साथ संभावित कैश बोनस शामिल होते हैं। इस प्लान की एक प्रमुख विशेषता है सिक्योर पॉलिसी बेनिफिट, जिसके तहत यदि पॉलिसी अवधि के दौरान पॉलिसीधारक के साथ कोई अनहोनी हो जाती है तो परिवार को एकमुश्त राशि मिलती है और आगे की प्रीमियम भुगतान की जरूरत नहीं होती—इसके बावजूद परिवार को आय और मैच्योरिटी बेनिफिट मिलते रहते हैं। सिर्फ तीन महीने की न्यूनतम प्रवेश आयु के साथ, माता-पिता और गार्जियन्स बंधन लाइफ आईइन्कम वेल्थ का उपयोग करके अपने बच्चों के लिए बचपन से ही वित्तीय व्यवस्था करना शुरू कर सकते हैं - जो शिक्षा, विवाह या पहला घर जैसी बड़ी जरूरतों के लिए मददगार हो सकती है। यह पार्टिसिपेटिंग जीवन बीमा प्लान कई प्रकार के पेआउट विकल्प प्रदान करता है और महिला पॉलिसीधारकों को 1.5% अतिरिक्त आय का लाभ भी देता है।

फिलिप मॉरिस इंटरनेशनल की भारतीय कंपनी आईपीएम इंडिया सम्मानित

मुंबई। फिलिप मॉरिस इंटरनेशनल इंक. (पीएमआई) की भारतीय कंपनी आईपीएम इंडिया को कार्यस्थल पर निष्पक्षता और समानता के लिए वैश्विक प्रमाणन मिला है। यह कंपनी दुनिया की उन शीर्ष कंपनियों में शामिल है जो अपने कर्मचारियों को समान काम के लिए समान सैलरी और तरक्की के अवसर देती हैं। इक्वल-सैलरी फाउंडेशन ने पीएमआई को हर जगह समान काम के लिए समान सैलरी देने के लिए सम्मानित किया है। यह 2019 के बाद तीसरी बार है जब आईपीएम इंडिया को अपनी समान सैलरी(इक्वल पे) की नीतियों के लिए पुरस्कार मिला है।

यह प्रमाणन दशार्ता है कि आईपीएम इंडिया समान सैलरी को प्रोत्साहित करता है और इसने ऐसी मजबूत व पारदर्शी नीतियां स्थापित की हैं जो प्रत्येक कर्मचारी को उत्कृष्टता प्राप्त करने और विकास व सफलता के समान अवसरों का लाभ उठाने के लिए सशक्त बनाती हैं। इस साल, सही सैलरी की मान्यता के साथ-साथ यह सर्टिफिकेट आईपीएम इंडिया को बराबर मौके देने की उनकी कोशिशों के लिए भी मिला है। इससे कर्मचारियों को आगे बढ़ने और बदलाव लाने का मौका मिलता है, और ऐसा कल्चर बनता है जो अच्छे टैलेंट को आकर्षित करता है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

छात्र की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

⇨पेट्रोल पम्प के पीछे मिला शव, गांव में फैली सनसनी
⇨परिजन जता रहे हत्या की आशंका, पुलिस जांच में जुटी

मछलीशहर,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। मछलीशहर कोतवाली क्षेत्र के छांछो गांव में उस समय हड़कंप मच गया जब गांव के ही एक पेट्रोल पंप के पीछे कक्षा नौ के छात्र का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिला। मृतक की पहचान दिलीप शुक्ला के पुत्र 14 वर्षीय अभिनव शुक्ला उर्फ. अभि के रूप में हुई है, जो रविवार से ही घर से लापता था।

सोमवार की सुबह ग्रामीणों ने गांव स्थित पंधारी यादव की पेट्रोल टंकी के पीछे शव पड़ा देखा तो इसकी सूचना तत्काल पुलिस को दी। मौके पर पहुंची मछलीशहर कोतवाली पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना की जानकारी मिलते ही मृतक के घर कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक के दादा रमेश शुक्ला ने आशंका जताई है कि उनके पोते की किसी ने हत्या कर शव वहां फेंक दिया है। उन्होंने मामले की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है।

पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा। फिलहाल सभी पहलुओं पर गहनता से जांच की जा रही है। इस दर्दनाक घटना से गांव में मातम पसरा हुआ है और लोग स्तब्ध हैं कि एक मासूम छात्र की जान आखिर कैसे चली गई। ग्रामीणों ने भी इस मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की है।

पारिवारिक कलह के चलते पूर्व जिला पंचायत सदस्य के बेटे ने खुद को मारी गोली

चंदौली(उत्तरशक्ति)। चंदौली जिले के कोतवाली क्षेत्र के पचखरी गांव में उस समय सनसनी फैल गई जब पूर्व जिला पंचायत सदस्य रमेश यादव के पुत्र संदीप यादव (35 वर्ष) ने अपनी लाइसेंसी बंदूक से खुद को गोली मार ली। गोली चलने की आवाज सुनते ही ग्रामीण मौके की ओर दौड़े और आनन-फानन में परिजन उसे अस्पताल ले गए। लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। डॉक्टरों ने संदीप को मृत घोषित कर दिया। घटना सुबह करीब छह बजे की बताई जा रही है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया। कोतवाली प्रभारी अतुल प्रजापति व क्षेत्राधिकारी रघुराज सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। मौके से रायफल और एक खोखा भी बरामद किया गया है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

पिता के लाइसेंसी रायफल से दिया घटना को अंजाम, मौके पर हुई मौत

बताया जा रहा है कि संदीप यादव का अपनी पत्नी से घरेलू विवाद चल रहा था, जिस कारण कुछ समय पहले उसकी पत्नी मायके चली गई थी। इसी बात को लेकर वह मानसिक तनाव में था। इसी तनाव के चलते उसने रविवार को खुद को लाइसेंसी रिवॉल्वर से गोली मार ली।

घटना के बाद गांव में मातम पसरा हुआ है और लोग इस आत्मघाती कदम को लेकर स्तब्ध हैं। क्षेत्र में चर्चा है कि संदीप लंबे समय से मानसिक रूप से परेशान था लेकिन किसी को अंदेशा नहीं था कि वह इतना बड़ा कदम उठा लेगा।इस संबंध में क्षेत्राधिकारी सकलडीहा रघुराज सिंह ने पुष्टि करते हुए बताया कि संदीप यादव ने पारिवारिक विवाद के कारण अपनी लाइसेंसी बंदूक से खुद को गोली मारी है। पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है और परिवार वालों से भी पूछताछ की जा रही है। संदीप यादव के पिता रमेश यादव जनपद के प्रतिष्ठित राजनीतिक और सामाजिक व्यक्ति माने जाते हैं। वह ग्राम पंचायत जोगवा दुबौलिया के पूर्व प्रधान और पूर्व जिला पंचायत सदस्य रह चुके हैं। उन्होंने अपने गांव में एक विद्यालय की स्थापना कर शिक्षा के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय कार्य किया है। उनके दोनों पुत्र प्रदीप और संदीप इसी विद्यालय से जुड़े थे। उधर, घटना की खबर फैलते ही पूरे गांव और आसपास के क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, पंचायत सदस्य और समाजसेवी परिजनों को सांत्वना देने पहुंच रहे हैं। घर में कोहराम मचा हुआ है और परिजन पूरी तरह से सदमे में हैं।

बर्तन फेरी वाले के बेटे ने रचा इतिहास

गोरारी गांव के शिवा साहू ने आईआईटी दिल्ली में पाया स्थान, क्षेत्र में खुशी की लहर

खेतासराय,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जिनके सपनों में जान होती है, पंखों से नहीं हौसलों से उड़ान होती है। इस पंक्ति को चरितार्थ कर दिखाया है खेतासराय क्षेत्र के गोरारी गांव निवासी 19 वर्षीय शिवा साहू ने। बेहद सीमित संसाधनों के बावजूद मेहनत और लगन से पढ़ाई करते हुए शिवा ने पहले ही प्रयास में जेईई मेन्स और जेईई एडवांस परीक्षा उत्तीर्ण कर आईआईटी दिल्ली में स्थान प्राप्त किया है। शिवा को जेईई एडवांस परीक्षा में ऑल इंडिया जनरल रैंक 6853 तथा ओबीसी श्रेणी में 1421 रैंक प्राप्त हुई है। उनका चयन आईआईटी दिल्ली में केमिकल टेक्नोलॉजी (आईसीटी) पाठ्यक्रम में हुआ है। जैसे ही यह खबर गांव में पहुँची, पूरे गांव में खुशी की लहर दौड़ गई। परिजनों व ग्रामीणों ने फूल मालाओं से उसका भव्य स्वागत किया। शिवा के पिता छोटेलाल साहू गांव-गांव घूमकर बर्तन की फेरी करते हैं।

उन्होंने बताया कि सीमित आय

और कठिन परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने अपने बेटे की पढ़ाई कभी नहीं रोकी। शिवा शुरू से ही पढ़ाई में तेज था और हर कक्षा में टॉप करता रहा है। शिवा ने इसी वर्ष इंटरमीडिएट की परीक्षा 88प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की। हाईस्कूल के बाद वह कोटा (राजस्थान) जाकर जेईई की तैयारी कर रहा था। उसकी प्रारंभिक शिक्षा सेट तुलसी ग्लोबल स्कूल, फुलेस से हुई। बातचीत में शिवा ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता और गुरुजनों को देते हुए कहा कि उसका अगला लक्ष्य सिविल सेवा में चयन पाना है ताकि वह देश सेवा कर सके। शिवा की इस सफलता ने न केवल उसके परिवार बल्कि पूरे गांव का मान बढ़ाया है।

गोरारी गांव के इतिहास में वह पहला छात्र बना है जिसने आईआईटी जैसे प्रतिष्ठित संस्थान में प्रवेश पाया है। इस अवसर पर पूर्व प्रधान आनंद बरनवाल, प्रबन्धक दुर्गेश सिंह, संदीप मौर्य, कमलाकांत मौर्य, प्रधानाचार्य विनोद कुमार यादव, अभिषेक अस्थाना, मनोज कुमार, दीपक कुमार मौर्य आदि लोगों ने शुभकामनाएं दी।

गौरीशंकर धाम में डीएम ने लिया व्यवस्था का जायजा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सावन के पवित्र मास में द्वितीय सोमवार को जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र के द्वारा सुजानगंज स्थित प्राचीन, एतिहासिक शक्तिपीठ गौरीशंकर धाम में जाकर श्रावण मास के दृष्टिगत की गयी व्यवस्था देखी गयी और पूजा अर्चना की गयी। जिलाधिकारी के द्वारा मन्दिर परिसर में श्रद्वालुओं के सुरक्षा व्यवस्था, जल प्रकाश सहित अन्य व्यवस्थाओं को निरीक्षण किया गया। इस दौरान जिलाधिकारी के द्वारा कांवरियों से संवाद करते हुए उन्होने श्रद्वालुओं को फल वितरित किया। इस अवसर पर ज्वांइट मजिस्ट्रेट/उपजिलाधिकारी मछलीशहर सौरभ कुमार सहित अन्य उपस्थित रहे।

गाजीपुर में न्यायालय परिसर में रहस्यमय परिस्थितियों में बिल्डिंग से गिरा युवक

गुड़िया राज, गाजीपुर(उत्तरशक्ति)। जनपद न्यायालय के परिसर में स्थित ऊंची बिल्डिंग से एक युवक रहस्यमय परिस्थितियों में नीचे गिर गया जिससे वह गंभीर रुप से घायल हो गया। उसे तत्काल इलाज के लिए मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार इरफान अली पुत्र रमजान अली निवासी वजीरगंज गोण्डा जो किसी मुकदमे में पैरवी के लिए कोर्ट में आया हुआ था। ऊंची बिल्डिंग से रहस्यमय परिस्थितियों में नीचे गिर गया। उसे गंभीर अवस्था में इलाज के लिए मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया है।

शाहगंज पुलिस ने लोगों को शांति भंग में गिरफ्तार कर न्यायालय किया चालान

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। डा0 कौस्तुभ पुलिस अधीक्षक महोदय जनपद जौनपुर द्वारा जनपद मे अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की

गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम मे अपर पुलिस अधीक्षक नगर जौनपुर आयुष श्रीवास्तव एवं क्षेत्राधिकारी शाहगंज अजीत सिंह चौहान के निर्देशन व निकट पर्यवेक्षण मे थाना शाहगंज पुलिस टीम द्वारा दिनांक 21/07/2025 को थाना क्षेत्र के भिन्न-भिन्न स्थानों से शान्ति भंग के दृष्टिगत अन्तर्गत धारा 170/126/135 बीएनएसएस में कुल 12 नफर अभियुक्तो को गिरफ्तार कर सम्बन्धित न्यायालय भेजा जा रहा है।गिरफ्तार आरोपी का नाम, करमा देवी पत्नी सुरेश बिन्द, नरमा देवी पत्नी स्व० फूलचन्द, बासमती पत्नी रूवल बिन्द, फिरता देवी पत्नी बेचन बिन्द, किसमत्ती देवी पत्नी शिवजोर, शकुन्तला देवी पत्नी रामदरश बिन्द, रीता देवी पत्नी ईश्वर बिन्द,किसमत्ती देवी पत्नी सियाराम बिन्द, सोना देवी पत्नी रामूबिन्द निवासीगण- दिपाईपुर थाना शाहगंज जनपद जौनपुर, प्रदीप यादव पुत्र लालजी यादव, लालजी यादव पुत्र स्व0 वासुदेव यादव, इन्द्रबली पुत्र स्व0 बासुदेव निवासीगण अक्खीपुर थाना शाहगंज जौनपुर।

यूपी में 3 लाख गाड़ियों का रजिस्ट्रेशन होगा निरस्त, 60 हजार डीएल भी होंगे सस्पेंड

लखनऊ(उत्तरशक्ति)। 5 हजार करोड़ के बकाए और सड़क पर रैश ड्राइविंग करने वालों के खिलाफ ट्रैफिक महकमा हरकत में आ गया है। ऐसी गाड़ियों की पहचान की जा रही है, जिनके पांच या उससे ज्यादा चालान कट चुके है, साथ ही जुमार्ना भी अदा नहीं किया है। ऐसे लोगों के लाइसेंस निरस्त किए जाएंगे और आरसी को ब्लैकलिस्ट किया जाएगा, ताकि ऐसे वाहन सड़क पर न चल सकें। यह प्रक्रिया शुरू भी हो चुकी है। अब तक 3 लाख गाड़ियों के रजिस्ट्रेशन और 58 हजार 893 वाहन चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस निरस्त करने के लिए पहचान की गई है।

चालान न भरने वालों पर बड़े एक्शन की तैयारी

यातायात निदेशालय ने परिवहन विभाग को इसी महीने इसकी सूची भेजी है। इस सूची में उन लोगों के वाहन शामिल हैं, जिनके 5 या 5 से ज्यादा चालान होने के बाद भी चालान की राशि जमा नहीं की गई। यातायात निदेशालय के अनुरोध पर परिवहन विभाग ने आरसी और डीएल सस्पेंड करने की प्रक्रिया शुरू भी कर दी है।

प्रज्ञा प्रवाह के अभ्यासवर्ग में हुआ राष्ट्र निर्माण पर मंथन

पीयू परिसर में काशी प्रांत का 'प्रांत अभ्यास वर्ग' सम्पन्न

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के इन्क्यूबेशन सेंटर, फामेर्सी भवन में प्रज्ञा प्रवाह युवा आयाम, काशी प्रांत द्वारा आयोजित प्रांत अभ्यास वर्ग में युवाओं के वैचारिक सशक्तिकरण, राष्ट्र निर्माण और संगठनात्मक विस्तार पर कार्यशाला रविवार को देर शाम तक आयोजित हुई। प्रांत संयोजक डॉ. कुँवर शेखर गुप्त ने बताया कि आयोजन युवाओं को भारतीय ज्ञान परंपरा, शोध, अध्ययन और संवाद की दिशा में प्रेरित करने हेतु किया गया है। कार्यक्रम के प्रथम सत्र में अखिल भारतीय संयोजक ईशान जोशी ने कहा कि युवा वर्ग स्वाध्याय, संस्कार और संवाद से देश के वैचारिक उत्थान में निर्णायक भूमिका निभा सकता है। प्रो. योगेन्द्र प्रताप सिंह ने सोशल मीडिया के सकारात्मक प्रयोग पर बल दिया। अध्यक्षता प्रो. मनोज मिश्र ने किया।द्वितीय सत्र में 'भारतीय शोध दृष्टि' व 'संस्कृतिनिष्ठ राष्ट्र' विषय पर संवाद हुआ। वक्ताओं में प्रो. अविनाश पाथर्डीकर और प्रो. आर.एन. त्रिपाठी ने भारतीय परंपरा से जुड़े शोध को राष्ट्र के लिए दिशा देने वाला बताया। अध्यक्षता प्रो प्रदीप कुमार संचालन सुश्री अर्चना सिंह ने किया। तृतीय सत्र में भगवती प्रसाद राघव ने युवाओं को अध्ययन केंद्र, पुस्तक समीक्षा कार्यक्रम एवं शोध केंद्र जैसे आयोजनों से जुड़ने की प्रेरणा दी। अध्यक्षता संतोष कुमार सिंह ने स्वागत सम्मान प्रांत सह संयोजक संतोष त्रिपाठी और धन्यवाद ज्ञापन डॉ. शांतनु सौरभ ने किया।

समापन सत्र में रामा शीष ने युवाओं से स्व की पहचान के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में सहभागी बनने का आह्वान किया। इस अवसर पर मड़ियाहूं पीजी कालेज के प्राचार्य प्रो एस के पाठक, मनोज तिवारी, शनि शर्मा, भट्ट, डॉ.विशाल सिंह, डॉ नितेश जायसवाल, डॉ.प्रदीप यादव, डॉ.मनीष सिंह, डॉ. कीर्ति सिंह, अनिर्द्ध त्रिपाठी, डॉ.अमितेश कुमार सिंह, डॉ.अंजनी मिश्र, शिवांश त्रिपाठी समेत काशी प्रान्त के अलग अलग जिलों से काशी प्रांत के 13 जनपदों से 123 प्राध्यापक, शोधार्थी और विद्यार्थी शामिल हुए।

दुपट्टा के सहारे घर के बडेर में लटकता मिला युवक का शव, परिजनों में पसरा मातम

बीजपुर,सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत डोडहर टोला बेलहवा निवासी अमर बैगा पुत्र रामजियावन बैगा उम्र 16 रविवार की रात्रि किसी बात से नाराज होकर घर मे पड़े दुपट्टा से फाँसी का फंदा बना कर अपने कमरे में ही बडेर से लटक कर जान देदी। सोमवार सुबह मृतक की बहन जब कमरे में युवक को जगाने गयी तो छोटे भाई को फाँसी से लटकता देख चीखने चिल्लाने लगी इतने में हो हल्ला सुन घर के परिजन भी इकठ्ठा हो गए। परिजनों की सूचना पर मौके पर पहुँचे ग्राम प्रधान केपी पाल ने घटना की जानकारी बीजपुर पुलिस को दी मौके पर पहुँची पुलिस ने शव को नीचे उतार कर पंचनामा के बाद पीएम के लिए दुद्धि सीएचसी भेज दिया है। परिजनों ने बताया कि युवक रात 11 बजे रात घर मे खाना खा कर अपने कमरे में सोने चला गया था सुबह बडेर से लटकता पाया गया। युवक ने आत्महत्या क्यों कि यह किसी को जानकारी नही है। इस बाबत उप निरीक्षक श्रवण कुमार यादव ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए दुद्धि भेजा जा रहा है मेडिकल रिपोर्ट आने के बाद स्थिति साफ होगी।

अल मदनी पब्लिक स्कूल तकिया तारापुर में बच्चों को किया गया प्रोत्साहित

रियाजुल हक

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। शहर के बदलापुर पड़ाव स्थित तकिया तारापुर के अल मदनी पब्लिक स्कूल में आज एक भव्य समारोह कर सामाजिक संस्था सायमा फाउंडेशन के द्वारा एक कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में मनोरमा मौर्य नगर पालिका अध्यक्ष मौजूद रही।वही इस मौके पर स्कूल प्रबंधक मौलाना वसीम शेरवानी ने बताया कि समय-समय पर विभिन्न संस्थाओं को ऐसे स्कूलों में बच्चों को प्रोत्साहित करने के लिए कार्यक्रम आयोजित करते रहना चाहिए जिससे गरीब तबके के बच्चों के अंदर भी समाज सेवा व देशभक्ति का जज्बा बना रहे और वह अपने अंदर छुपी हुई प्रतिभा को दिखा पाए। कार्यक्रम में मुख्य रूप से नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि डॉक्टर रामसूरत मौर्या, शकील ड्रग्स, अरशद कुरैशी, आरिफ खान, अनवारूल गुड्डू आदि लोग मौजूद रहे कार्यक्रम का संचालन मोहम्मद मुस्तफा ने किया।

सुजानगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर खून से लथपथ घायल मरीज फर्श पर तड़पडाता रहा, स्वास्थ्य कर्मी नदारद

वीडियो हुआ वायरल

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जिले के सुजानगंज प्रदेश भर के स्वास्थ्य केन्द्र में बना लापरवाही का केंद्र, बताया जाता है कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, जो किसी भी क्षेत्र के नागरिकों के लिए आपातकालीन चिकित्सा सुविधा का प्रमुख केंद्र होता है।आज बदहाली और लापरवाही का शिकार हो चुका है। आज हाल ही में हुई एक घटना ने यहां की स्वास्थ्य व्यवस्था की पोल खोलकर रख दी है।

बीते दिनों एक भयानक सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल दो व्यक्तियों को जब एम्बुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया।तो उम्मीद थी कि उन्हें तुरंत प्राथमिक उपचार मिलेगा। लेकिन दुर्भाग्यवश, अस्पताल में डॉक्टर तक मौजूद नहीं थे।

लोग बताते हैं कि अक्सर नदारद ही रहते है, शाम और रात्रि के समय, घायलों को यूँ ही एम्बुलेंस से उतारकर तड़पता हुआ छोड़ दिया गया। इलाज की आस में कराहते उन मरीजों की हालत देखकर हर संवेदनशील व्यक्ति का दिल कांप उठे। यह केवल एक घटना नहीं, बल्कि इस केंद्र की आम स्थिति बन चुकी है। यहां इलाज के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति होती है, और जरूरतमंदों को दलालों के चंगुल में फँसाकर निजी अस्पतालों की ओर धकेल दिया जाता है। यह केंद्र अब स्वास्थ्य सुविधा का स्थान नहीं, बल्कि बिचौलियो का अड्डा बन चुका है जहाँ गरीब और असहाय मरीजों की कोई सुनवाई नहीं होती। प्रशासन को चाहिए कि वह इस लापरवाही की तत्काल जाँच कराए और दोषियों पर सख्त कार्यवाही हो। आम जनता का स्वास्थ्य उनके अधिकारों में आता है, और इस तरह की व्यवस्था जनता के जीवन के साथ खिलवाड़ है।

जनता अब चुप नहीं बैठेगी,अब समय आ गया है कि इस सिस्टम को जवाबदेह बनाया जाए, अब बड़ा सवालिया निशान लग रहा है कि कैसे स्वास्थ्य सेवा सही होगी जब योगी राज मे तह आलम है। लोगों का कहना है कि जिले की चिकित्साअधिकारी तो सिर्फ दिखावा की कार्यवाही करती हैं।अगर डर रहता तो शायद इस तरह की करतूतें सामने नही आती।

शारदा सहायक नहर में पानी न छोड़े जाने से किसानों की फसल हो रही बर्बाद

केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत विकासखंड अंतर्गत शारदा सहायक खण्ड 36 नहर में पानी नहीं आने से क्षेत्र के लगभग 400 एकड़ किसानों के खेतों में धान की रोपाई का कार्य अभी तक अधर में लटका हुआ है। बारिश नहीं होने व नहर में पानी नही आने के कारण किसानों की धान की नर्सरी सूखने लगी है। दूसरी तरफ नहर में पानी नहीं छोड़े जाने से किसान वर्षा के अभाव और प्रचंड सूखे के चलते अपने खेतों में धान

की रोपाई नहीं कर पा रहे है। जबकि प्रदेश सरकार के सख्त आदेश है की किसानों की धान की रोपाई के लिए पूरी क्षमता के साथ नहरों को 24 घंटे चलाया जाए ताकि नहरों नहरों के छोर तक पानी पहुँच सके। इधर हालात यह है कि की सिंचाई विभाग के अधिकारी सरकार के निर्देश के बावजूद कुंभकर्ण की निद सो रहे है। किसान अपने भविष्य को लेकर काफी चिंतित हो आसमान की तरफ टकटकी लगाये हुए बारिश का इंतजार कर रहे है।

मदरसा दारुल इरफान में 'एक पेड़ मां के नाम' किया गया वृक्षारोपण

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। नगर के मदरसा दारुल इरफान, बोदकरपुर में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के ब्रांच मैनेजर जौनपुर के सहयोग से 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत वृक्षारोपण का कार्य किया गया। जिसमें ब्रांच मैनेजर सुजीत कुमार सिंह, असिस्टेंट मैनेजर समित कुमार, मदरसा दारुल इरफान के प्रिंसिपल मुर्तजा हसन मदनी, अल्ताफुर्रहमान सलफी, नूरुल हुदा, जकाउल्लाह, शाहीन आरा, परवीन अंसारी, अब्दुल्लाह, मो0 सरफराज, समीउल्लाह फलाही, अकबर, शमशाद अंसारी, सिबगतुल्लाह अंसारी, परवेज, अब्दुर्रहमान उर्फ बाबू आदि इस मौके पर उपस्थित रहे।

नगर क्षेत्र में बिना मान्यता के दो विद्यालय बन्द, बीएसए ने दी सख्त चेतावनी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर क्षेत्र में बिना मान्यता के दो विद्यालय बंद, बीएसए ने दी सख्त चेतावनी जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र के निर्देश के क्रम में नगर क्षेत्र में संचालित बिना मान्यता प्राप्त विद्यालयों के विरुद्ध सख्त अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में आज नगर शिक्षा अधिकारी द्वारा ए.के. पब्लिक स्कूल, रुहट्टा एवं पान दरिबे में संचालित एक नाम विहीन विद्यालय को मौके पर नोटिस जारी कर तत्काल प्रभाव से बंद करवा दिया गया। इस संबंध में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. गोरखनाथ पटेल ने बताया कि जिलाधिकारी महोदय के निर्देश पर जनपद में बिना मान्यता संचालित किसी भी विद्यालय को बख्शा नहीं जाएगा। ऐसे विद्यालयों को चिन्हित कर बंद कराया जाएगा तथा उनके विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। बीएसए ने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों को केवल मान्यता प्राप्त विद्यालयों में ही भेजें, जिससे बच्चों के भविष्य से कोई समझौता न हो। शिक्षा विभाग ने यह भी स्पष्ट किया कि भविष्य में यदि किसी भी क्षेत्र में गैर मान्यता प्राप्त विद्यालय संचालित पाए गए, तो उनके विरुद्ध भी कठोर कदम उठाए जाएंगे।

वाराणसी में पुलिस ने एनकाउंटर में दो तस्करों को पकड़ा, एक के पैर में लगी गोली

-डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में पुलिस ने सोमवार की मुठभेड़ में दो गौ-तस्करों को पकड़ा। एक तस्कर के पैर में गोली लगने से घायल हो गया। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस दोनों से पूछताछ के साथ ही विधिक कार्रवाई में जुटी रही।पुलिस ने सूचना के आधार पर घेरेबंदी की थी। इसी दौरान दो तस्कर पहुंचे। पुलिस ने रुकने का इशारा किया तो तस्करों ने पुलिस टीम पर फायर करते हुए भागने की कोशिश की। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में शातिर गौ-तस्कर अजय गुप्ता के पैर में गोली लगी।अजय के खिलाफ पहले से आठ मुकदमे दर्ज हैं। कुछ दिन पहले बड़गांव में गौ तस्करों के साथ पुलिस की मुठभेड़ हुई थी। यह अपराधी भी उसी गिरोह के सदस्य है।

OMG! 80 की उम्र में 'फैशन' का इतना पैशन, कहते हैं- अभी तो हम जवां हैं...

वसई रोड (उत्तरशक्ति)। 60-80 साल की उम्र में फैशन का इतना पैशन कभी देखा नहीं होगा, लेकिन इन तस्वीरों को देखकर कहेंगे, असली जिन्दगी तो ऐसे जी जाती है।कोई 70 साल, तो कोई 65 साल की दहलीज पर थीं, लेकिन इस उम्र में भी जिंदगी कैसे जी जाती है, यह इन महिलाओं ने सिखाया। चेहरे पर मुस्कान और ऐसी ललक कि हर कोई इनका कैटवॉक देखता ही रह गया। देखे भी क्यों ना, यह नजारा था ही इतना खूबसूरत और जोश से भरपूर रैंप पर कैटवॉक करते हुए इन महिलाओं ने कभी डांस किया तो कभी अपनी खूबसूरत ड्रेस को लहराते हुए शो आफ किया। यह खूबसूरत फैशन शो क्वीन 2025- 2026 में देखने को मिला वेस्का (वसई ईस्ट सीनियर सिटीजन एसोसिएशन, वसई पूर्व) में, जहां एसोसिएशन की सदस्यों ने रैंप वॉक किया।कार्यक्रम के आयोजन में चंद्रकांत जोशी, श्रीराम नायक, शमशेरसिंह राना , श्रीमती लता वैशवी का भरपूर सहयोग रहा।

भाजपा और श्री बच्चूभाई शामजी भाई ट्रस्ट के संयुक्त प्रयास से 'नेत्र जांच और मुफ्त चश्मा वितरण शिविर' का आयोजन

मोतियाबिंद मुक्त बोरीवली की संकल्पना सराहनीय- गोपाल शेट्टी

बोरीवली, मुंबई। महाराष्ट्र के यशस्वी मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़वणीस के जन्मदिन के निमित्त मोतियाबिंद मुक्त बोरीवली के प्रण के साथ भाजपा बोरीवली विधानसभा और श्री बच्चूभाई शामजी भाई ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में 'नेत्र जांच और मुफ्त चश्मा वितरण शिविर' का आयोजन किया गया। एम.पी.एस. स्कूल, एस. व्ही. रोड, पोईसर, बोरीवली (पश्चिम) में आयोजित इस शिविर में उत्तर मुम्बई के पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी ने विशेष रूप से उपस्थिति दर्ज कराई वहां उपस्थित नागरिकों को संबोधित भी किया। इस शिविर का लाभ सैकड़ों नागरिकों ने उठाया। इस अवसर पर जनसेवक गोपाल शेट्टी के साथ-साथ बोरीवली के भाजपा विधायक संजय उपाध्याय, पूर्व मंडल अध्यक्ष महेश राउत तथा दिनेश झाला भी उपस्थित थे।

नूरपुर गांव में बनवासियों के जमीन पर जबरन रास्ता खोदने के विरोध में बनवासियों का प्रदर्शन

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जिले के सुरेरी थाना क्षेत्र क नूरपुर गांव में बनवासियों के जमीन पर जबरन कब्जा किया जा रहा है, उन्हे आतंकित गांव छोड़ने पर मजबूर किया जा रहा है। इस बारें में दो बार प्रार्थना दिया गया लेकिन कार्यवाही न होने पर जिलाधिकारी कार्यालय के समक्ष दर्जनों वनवासियों ने प्रदर्षन किया और ज्ञापन सौप कर जिलाधिकारी से हस्तक्षेप करने की मांग किया।उक्त गांव के संभर, करिया, धनई आदि ने संयुक्त रूप से शिकायती पत्र इकेर बताया कि सरकार द्वारा उन्हे नूरपुर गांव में जमीन मिली है। जिसपर वे मड़हा, नाद , खूंटा, गजहर आदि रखते चले आ रहे है। गांव के नन्दा यादव, सिधारी यादव, छोटई आदि इसी जमीन का गुण्डई के बल पर कब्जा कर रहे है उन्हे धमका कर हटाना चाहते है। गत दिनों वे जेसीबी मशीन के साथ घर पर चढ़ आये और धमकी देते हुए रास्ता खोदवा दिये। इस बारें में सुरेरी थाने को सूचना दी गयी लेकिन वे कार्यवाही नहीं किया। बनवासियों ने जिलाधिकारी से माँग किया कि दोषी लोगों के खिलाफ कार्यवाही करने के लिए थाने का आदेशित किया जाय।

अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद, जौनपुर की नई कार्यकारिणी का गठन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अनुसांगिक संगठन अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद की जनपद जौनपुर इकाई की जिला कार्यकारिणी का आज भव्य गठन किया गया। यह कार्यक्रम जिला संघचालक माननीय डॉ. सुभाष सिंह जी की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में काशी प्रांत अध्यक्ष आदरणीय रेवती रमण तिवारी जी एवं अन्य प्रांतीय पदाधिकारी विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरूआत प्रांत महासचिव लेफ्टिनेंट सुधीर मिश्रा जी द्वारा परिषद के गढ़ गीत के साथ हुई। मंच संचालन नारायण चौरसिया जी द्वारा कुशलतापूर्वक किया गया।इस दौरान रेवती रमण तिवारी जी ने परिषद की भूमिका, उद्देश्यों एवं पूर्व सैनिकों के लिए संचालित कल्याणकारी

योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह संगठन संघ का एक सक्रिय एवं समर्पित अनुषांगिक संगठन है। जो समय समय पर सैनिकों और उनके परिवारों के हित में कार्य करता है।प्रांतीय कोषाध्यक्ष सत्यनारायण तिवारी जी ने पेंशन एवं अन्य प्रशासनिक विषयों पर उपयोगी जानकारी दी, वहीं प्रांत उपाध्यक्ष सुबेदार मेजर अयोध्या प्रसाद उपाध्याय ने संगठन से अधिक से अधिक जुड़ने का आह्वान किया।कार्यक्रम में कैप्टन अजीत पांडेय जी को संरक्षक बनाया गया। उन्होंने आगामी 26 जुलाई को कारगिल विजय दिवस के आयोजन की जानकारी दी और सभी पदाधिकारियों को सादर आमंत्रण दिया।कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहा जौनपुर जिले की नई कार्यकारिणी की घोषणा, जिसमें निम्नलिखित सदस्यों को दायित्व सौंपा गया।जिला कार्यकारिणी (जौनपुर)देवेन्द्र कुमार सिंह जिला अध्यक्ष,बलराम सिंह जिला महासचिव,राजबहादुर पाल कोषाध्यक्ष,उपाध्यक्षगण के. के. सिंह, लाल बहादुर यादव, के. के. दुबे, रामसूरत यादव,सचिवगण लालचंद्र मौर्या, राकेश सिंह,संरक्षक कैप्टन अजीत पांडेय,इसी क्रम में काशी प्रांत अध्यक्ष रेवती रमण तिवारी जी द्वारा डा. राजेश कुमार को काशी प्रांत का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया, जिससे कार्यकताओं में उत्साह की लहर दौड़ गई। कैप्टन अजीत पांडेय जी ने यह भी बताया कि परिषद के अंतर्गत शीघ्र ही मातृशक्ति संगठन का गठन भी किया जाएगा ताकि महिलाएं भी सक्रिय रूप से संगठन के सेवा कार्यों में सहभागी बन सकें। डॉ. सुभाष सिंह जी ने अंत में नवगठित कार्यकारिणी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि परिषद पूर्व सैनिकों के लिए एक संगठित शक्ति, गरिमा और सेवा का प्रतीक है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों से सक्रियता और सेवा भाव से कार्य करने की अपील की। यह आयोजन संगठनात्मक दृढ़ता, अनुशासन और सेवाभाव की सशक्त मिसाल प्रस्तुत करता है, जिससे निश्चित ही भविष्य में पूर्व सैनिकों के लिए नयी संभावनाएं और व्यवस्थाएं साकार होंगी।

रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ा गया मंडी निरीक्षक!

सुरेश गांधी

वाराणसी। भ्रष्टाचार के खिलाफ अभियान चला रही वाराणसी की एंटी करप्शन टीम ने सोमवार को एक बड़ी सफलता हासिल की। टीम ने कृषि उत्पादन मंडी समिति के एक निरीक्षक को 22,000 रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़कर भ्रष्टाचार पर करारा प्रहार किया है। यह मामला न सिर्फ व्यक्तिगत भ्रष्टाचार का है, बल्कि यह सरकारी तंत्र के उस स्याह पक्ष को उजागर करता है जो आम नागरिकों की मेहनत की कमाई को अवैध रूप से हथियाने से नहीं चूकता। यदि ऐसे मामलों में समाज सजग होकर आवाज उठाए और शासन त्वरित व कठोर कार्रवाई करे, तो भ्रष्टाचार मुक्त भारत का सपना दूर नहीं। वाराणसी के शिवपुर थाना अंतर्गत चांदमारी निवासी अजीत कुमार ओझा ने एंटी करप्शन कार्यालय में 15 जुलाई को एक लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि वे कछवां रोड स्थित कृषि उत्पादन मंडी में रुद्र ट्रेडिंग कम्पनी नाम से व्यापार लाइसेंस लेना चाहते थे। इसके लिए उन्होंने 24 जून को नियमानुसार आवेदन जमा किया। लेकिन नियमानुसार मात्र 250 की सरकारी फीस पर मिलने वाला लाइसेंस, मंडी निरीक्षक सत्येन्द्र नाथ ने तब तक रोक कर रखा जब तक शिकायतकर्ता 22,000 की अवैध रिश्वत देने को तैयार नहीं हो गया। जब ओझा ने गरीबी और पारिवारिक मजबूरियों का हवाला देकर रिश्वत देने में असमर्थता जताई, तो सत्येन्द्र नाथ ने उनके आवेदन को ठुकराने की धमकी दी और बार-बार कॉल करके धनराशि की मांग करता रहा। शिकायत की पुष्टि के बाद वाराणसी मंडल की एंटी करप्शन टीम ने 21 जुलाई को जाल बिछाया। तय योजना के अनुसार, जब सत्येन्द्र नाथ ने पहड़िया मंडी के चेक पोस्ट नंबर 2 पर अजीत कुमार से 22,000 की रिश्वत ली, उसी वक्त टीम ने उसे रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के पास से रिश्वत की रकम मौके पर ही बरामद कर ली गई। गिरफ्तारी के बाद सत्येन्द्र नाथ को थाने लाकर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। साथ ही विभागीय कार्रवाई की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। टीम ने आरोपी के खिलाफ पुख्ता साक्ष्य एकत्र कर लिए हैं, जिन्हें न्यायालय में प्रस्तुत किया जाएगा। कृषि उपज मंडियों में व्यापार करने वाले छोटे-बड़े व्यापारी अक्सर ऐसी मांगों का शिकार होते हैं, लेकिन अधिकांश मामले सामने नहीं आ पाते। इस मामले में शिकायतकर्ता की साहसिक पहल और एंटी करप्शन टीम की मुस्तैदी ने स्पष्ट कर दिया कि अब भ्रष्टाचारियों को बख्शा नहीं जाएगा। यह कार्रवाई उस समय और भी महत्वपूर्ण हो जाती है जब सरकार किसान हितैषी योजनाओं के माध्यम से मंडी सुधार और पारदर्शिता की दिशा में कार्य कर रही है। सत्येन्द्र नाथ की गिरफ्तारी उन तमाम ईमानदार अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए भी एक संदेश है जो व्यवस्था को स्वच्छ और जनकल्याणकारी बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

वसई में स्व-पुनर्विकास को नई गति: स्नेहा दुबे-पंडित के नेतृत्व में जनांदोलन का रूप

वसई। वसई में स्व-पुनर्विकास योजना अब एक जनांदोलन का रूप ले चुकी है। इस आंदोलन को और अधिक गति देने का श्रेय भाजपा विधायक स्नेहा दुबे-पंडित को जाता है, जिनकी पहल पर अपुलंत ग्रैंड बैंक्वेट हॉल (वसई पश्चिम) में एक विशेष मार्गदर्शन शिविर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं मुंबई जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष ए. प्रवीण दरेकर ने स्व-पुनर्विकास को शिवधनुष्य बताते हुए इसे आगे बढ़ाने का संकल्प दोहराया।

दरेकर ने बताया कि स्व-पुनर्विकास योजना डेवलपर की भूमिका को दरकिनार करते हुए, सोसाइटी के सदस्यों द्वारा स्वयं अपनी इमारतों का पुनर्निर्माण करने की अवधारणा पर आधारित है। उन्होंने कहा,अगर सरकार और बैंक साथ दें तो डेवलपर की आवश्यकता ही नहीं रहती। दरेकर ने जानकारी दी कि मुंबई जिला बैंक की पहल पर अब तक 20 इमारतें पूरी हो चुकी हैं, जिनमें लोग अब अपने नए और बड़े घरों में रह रहे हैं। उन्होंने बताया कि सरकार को 18 मांगे प्रस्तुत की गई थीं, जिनमें से 16 पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने त्वरित निर्णय लिए, जिससे यह योजना तेजी से आगे बढ़ी। मुख्यमंत्री द्वारा गठित दारवेकर समिति के अध्यक्ष के रूप में ए. प्रवीण दरेकर ने बताया कि उन्होंने महाराष्ट्र भर का दौरा कर ढाई महीने में रिपोर्ट सरकार को सौंप दी है। उन्होंने विश्वास जताया कि जैसे एसआरए योजना झुग्गीवासियों के लिए क्रांतिकारी सिद्ध हुई, वैसे ही स्व-पुनर्विकास योजना मध्यमवर्गीय समाज के लिए बड़ी राहत बनकर उभरेगी। कार्यक्रम में एक महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए दरेकर ने बताया कि पालघर जिले की स्व-पुनर्विकास योजना का समन्वय अब विधायक स्नेहा दुबे-पंडित के नेतृत्व में किया जाएगा। जिला प्रशासन, नगर निगम, बैंक और समितियों के साथ समन्वय कर योजना को जमीन पर लाने की ज़िम्मेदारी अब उनके कंधों पर होगी। दरेकर ने ऐलान किया कि वसई में एक महीने के भीतर पांच इमारतों का भूमिपूजन किया जाएगा। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि इन इमारतों के तैयार होने पर मुख्यमंत्री स्वयं चाबी वितरण कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे। उन्होंने कहा कि स्व-पुनर्विकास योजना के लिए सरकार द्वारा 2,500 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता की व्यवस्था की जा रही है, जिसमें एनसीडीसी और सहकारी बैंकों का सहयोग शामिल है। कार्यक्रम में हजारों नागरिकों के साथ-साथ नालासोपारा विधायक राजन नाइक, नगर नियोजन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, सहकारी संस्था के उपपंजीयक, शिक्षाविद हर्षद मोरे और भाजपा के अनेक पदाधिकारी उपस्थित थे। दरेकर ने सभी जनप्रतिनिधियों से अपने-अपने कार्यालयों में एक 'स्व-पुनर्विकास सहायता कक्ष' शुरू करने की अपील भी की।

जौनपुर के युवक की मुंबई के नालासोपारा में बड़ी बेरहमी हत्या, पत्नी पर लगा आरोप

घर के अंदर गड्ढा खोदकर तीन टुकड़े में शव को किया था दफन

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। थाना जफराबाद क्षेत्र के अभय चंद पट्टी गांव के विजय चौहान की मुंबई के नालासोपारा में उनकी पत्नी ने तीन टुकड़ों में हत्या करके घर में शव को दफन कर दिया। युवक की शादी 7 वर्ष पूर्व जफराबाद के हाउस क्षेत्र में चमन सिंह के साथ हुई थी। जिसका एक 5 वर्षीय बेटा भी है युवक अपनी पत्नी के साथ मुंबई के नालासोपारा में रहता था। पति-पत्नी के बीच आपस में कुछ विवाद हुआ था ।उसके बाद पत्नी ने पति के तीन टुकड़े करके घर में ही शव को दफन कर दिया। घटना करके आरोपी पत्नी अपने बच्चों को लेकर फरार है ।लोगों को कुछ शक हुआ तो दरवाजा खोल कर देखा गया तो टाइल्स कुछ उखड़ी हुई नजर आई गड्ढे को खोदा गया तो अंदर से तीन टुकड़े में शव निकला ।पुलिस ने आशंका लगाई है कि लगभग 10 दिन पहले का शव है। खबर सुनते ही परिवार में कोहराम मच गया। मृतक के परिजन मुंबई के लिए रवाना हो गए हैं।

एड . अवनीश सिंह का मुलुंड में हुआ सत्कार

मुंबई। मुंबई कांग्रेस उत्तर भारतीय प्रकोष्ठ के नव नियुक्त अध्यक्ष एड. अवनीश तीर्थराज सिंह का भव्य सत्कार समारोह ग्रैंड सेंट्रल हॉल,मुलुंड प. पर किया गया। राकेश शेट्टी (प्रवक्ता महाराष्ट्र कांग्रेस) द्वारा शाल, गमछा, पुष्प गुच्छ प्रदान कर एड. अवनीश सिंह का सम्मान किया गया। इस अवसर पर बी के तिवारी (उपाध्यक्ष, मुंबई कांग्रेस), अब्राहम रॉय मणि (जिलाध्यक्ष, ई. मु. कांग्रेस), वरिष्ठ कांग्रेस नेता डॉ बाबूलाल सिंह, डॉ. आर. आर. सिंह), प्रदुम्न यादव (अध्यक्ष,एन एस यू आई),वरिष्ठ समाज सेवी रमाशंकर तिवारी,संतोष विश्वकर्मा, अंजनी कुमार सिंह,कालिका सिंह,साहब दयाल सिंह,सुषमा मौर्य, सुक्खु गुप्ता,सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में हरीश वर्मा (अध्यक्ष महाराष्ट्र कूर्मि क्षत्रिय समाज),

राजाराम पाल (अध्यक्ष पाल विकास मंच),लक्ष्मी नारायण चौरसिया (अध्यक्ष चौरसिया समाज),रमेश जायसवाल(अध्यक्ष जायसवाल समाज),डॉ.सचिन सिंह (अध्यक्ष युवा ब्रिगेड असोसिएशन), उपस्थित रहे। इस अवसर पर पत्रकार राघवेंद्र द्विवेदी, सुशील कुमार पाण्डेय, नामदार राही, दयाशंकर पाण्डेय, अविनाश पाण्डेय, छोटेलाल शर्मा, संतोष जैसवार, अरविन्द बिन्द, बिपिन पांचाल का सम्मान किया गया। इस अवसर पर मुलुंड के वरिष्ठ समाजसेवकों,एवं विविक्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य कर रहे लोगों का सम्मान किया गय। इस अवसर पर बोलते हुए राकेश शेट्टी ने कहा कि उत्तर भारतीयों को सदैव सम्मान कांग्रेस द्वारा दिया गया। उन्हें मंत्री, सांसद, विधायक, महापौर कांग्रेस ने बनाया। पर विपक्ष ने धर्म, जाति, भाषा के नाम पर गुमराह कर दिया। पर लोग विपक्ष की साजिश को पहचान गये हैं।

एड. अवनीश सिंह ने कहा कि जो लोग कांग्रेस से दूर हो गये हैं, उन्हें वापस लाने और कांग्रेस को मजबूत बनाने का कार्य मुझ पर सौंपा गया है। मैं इस महत्वपूर्ण जवाबदारी को निभाने में पूरी शक्ति एवं संकल्प के साथ कार्य करूँगा। इस अवसर सभी लोगों ने लिट्टी चोखा भोज का आनंद उठाया। कार्यक्रम के आयोजन में भगवान किशोर तिवारी, अरविन्द यादव, संतोष सिंह, जीतेन्द्र शर्मा, मोहनलाल राज, हरीश गुप्ता, राजेंद्र उठवाल,डॉ. आर. एम. पाल,एड. शरीफ खान, रइस खान,मोहित सिंह,आकाश पाण्डेय,अनिल सिंह,विनोद कजानिया, राकेश मिश्रा का विशेष योगदान रहा।

पुरानी पेंशन बहाल कराया जाएगा: जितेंद्र कुमार

अनिल मिश्र दबंग गुरु हुए माशिस पांडेय गुट के नए जिलाध्यक्ष

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पुराना पेंशन योजना का हर हाल में बहाल कराया जायेगा। माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड अधिनियम 1982 की धाराओं क्रमशः 12, 18 एवं 21 को पुर्नस्थापित कराया जायेगा। इसके लिए जो भी संघर्ष करना होगा सबको तैयार रहना है। उक्त उद्बोधन उ०प्र० माध्यमिक शिक्षक संघ (पाण्डेय गुट) के प्रान्तीय अध्यक्ष डॉ० जितेन्द्र कुमार सिंह पटेल ने राजा श्रीकृष्ण दत्त इण्टर कालेज के सभागार में शिक्षकों के एक बैठक में व्यक्त किया। बैठक की अध्यक्षता अन्जनी कुमार श्रीवास्तव व जिलाध्यक्ष एवं संचालन पूर्व प्रान्तीय अध्यक्ष प्रकाश नारायण सिंह ने किया।

बैठक में स्नातक विधान परिषद वाराणसी खण्ड के प्रत्याशी सुनील कुमार सिंह बच्चा बाबू और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता वैभव त्रिपाठी भी उपस्थित रहे। शिक्षा शिक्षक शिक्षार्थी के खिलाफ सरकार की नीतियों के खिलाफ आगामी 31 जुलाई 2025 को पूरे प्रदेश के हर जिले में एक दिवसीय धरना कार्यक्रम आयोजित किया गया है। उक्त जानकारी जिलाध्यक्ष अन्जनी कुमार श्रीवास्तव ने आभार व्यक्त करते हुए कहा। नयी कार्यकारिणी का निर्विरोध चुनाव सम्पन्न हुआ जिसमें अनिल कुमार मिश्र (दबंग गुरू) नये जिलाध्यक्ष निर्वाचित हुए अन्य कार्यकारिणी के सदस्यों का चयन जिलामंत्री अभिषेक सिंह के द्वारा अगली बैठक में किया जायेगा। बैठक में सर्वश्री डॉ० विश्वनाथ यादव, सन्तलाल, डॉ० बृजेश सिंह, सत्य प्रकाश सिंह, आनन्द तिवारी, विनय कुमार सिंह, चन्द्रभान गुप्त, अशोक मौर्य, जयेन्द्र वर्मा, राम प्रताप, रमेश त्रिपाठी, सूरज कुमार, संजय सिंह, राजमणि यादव, अनिल कुमार यादव, विकास कुमार, अनिल मिश्र आदि शिक्षक उपस्थित रहे।

कार्यशाला और महत्वपूर्ण बैठक संपन्न

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की समीक्षा अधिकारी और सहायक समीक्षा अधिकारी-2023 की प्रारंभिक परीक्षा की तैयारियों के संबंध में जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में कार्यशाला और महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। जिलाधिकारी ने बताया कि परीक्षा 27 जुलाई 2025 को रविवार के दिन आयोजित की जाएगी। परीक्षा सुबह 9:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक एक पाली में आयोजित होगी। जिले के 47 परीक्षा केंद्रों पर कुल 22,176 परीक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित होंगे। परीक्षा को पारदर्शी, नकल विहीन और शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए 47 सेक्टर मजिस्ट्रेट और 47 स्टेटिक मजिस्ट्रेट की तैनाती की गई है। जिलाधिकारी ने विस्तार पूर्वक सभी

संबंधित अधिकारियों को उनके दायित्वों के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने आयोग के दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि परीक्षा केंद्रों पर सीटिंग प्लान पूर्व में ही चेक कर ले, परीक्षा केंद्रों पर मूलभूत सुविधा सुनिश्चित की जाए जिससे परीक्षार्थियों को किसी भी प्रकार असुविधा का सामना न करना पड़े। आयोग के दिए गए दिशा निदेर्शानुसार परीक्षा संपादित कराई जाएगी।किसी भी प्रकार की अवहेलना की दशा में कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। केंद्र व्यवस्थापक संवेदनशीलता बरतते हुए परीक्षा संपन्न कराएंगे। परीक्षार्थी की बिना पहचान सुनिश्चित किया प्रवेश नहीं दिया जाएगा। कार्यशाला में बताया गया कि पर्यवेक्षक सुनिश्चित कराएंगे कि परीक्षा के दौरान परीक्षार्थी ओएमआर शीट तथा प्रश्न पत्र पर अंकित बारकोड का मिलान अवश्य कर लें। बैठक में अपर जिलाधिकारी भू-राजस्व अजय अंबष्ट, अपर पुलिस अधीक्षक आयुष श्रीवास्तव, नगर मजिस्ट्रेट इंद्रनंदन सिंह, अनुभाग अधिकारी अजय शर्मा, सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टेटिक मजिस्ट्रेट और केंद्र व्यवस्थापक सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

सरकार के विकास कार्यों से बौखलाए विरोधी

मुंबई। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश चौतरफा विकास कर रहा है और राज्य में महायुति सरकार जनहित के कार्यों को तेजी से अंजाम दे रही है। लेकिन विपक्षी दल सरकार की लोकप्रियता से परेशान होकर निराधार आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति कर रहे हैं।

रविवार को देर शाम अंधेरी (पूर्व) के एमआईडीसी स्थित जाइलो हॉल में शिवसेना (शिंदे गुट) द्वारा आयोजित पक्ष प्रवेश व कार्यकर्ता सम्मेलन में एकनाथ शिंदे ने कहा, हमारी सरकार प्रगति की सरकार है। केंद्र में नरेंद्र मोदी और राज्य में देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में हम हर क्षेत्र में तेजी से काम कर रहे हैं। विरोधियों को यही रास नहीं आ रहा और वे केवल आलोचना कर रहे हैं। उनको चाहिए कि वे इन झूठे

आरोपों से पहले आत्मचिंतन करें। उपमुख्यमंत्री ने अपने मुख्यमंत्री कार्यकाल के दौरान शुरू की गई लाडली बहना योजना का जिक्र करते हुए कहा कि यह योजना बंद नहीं होगी। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि जो लोग इस योजना का विरोध करते हैं, वे लाडली बहनों के दुष्ट भाई हैं। मुंबई को जोड़ने वाला शहर बताते हुए शिंदे ने कहा, ह्यह आर्थिक राजधानी है, जो लोगों को जोड़ती है, तोड़ती नहीं। हमारे विकास का मकसद सबको साथ लेकर चलना है। उन्होंने शहर में सड़कों की जर्जर स्थिति पर बोलते हुए कहा कि खड्डा मुक्त अभियान जारी है और जल्द ही मुंबई की सड़कों से खड्डे पूरी तरह गायब हो जाएंगे। कार्यक्रम के दौरान शिंदे ने स्थानीय विधायक मुरजी पटेल की सराहना करते हुए कहा कि ह्लमुरजी काका के नेतृत्व में अंधेरी का लगभग 70 फीसदी विकास कार्य पूरा हो चुका है। यहां 6 आपला दवाखाने चल रहे हैं, जो गरीबों के लिए वरदान हैं। इस सम्मेलन के दौरान कई पूर्व जनप्रतिनिधियों ने शिवसेना (शिंदे गुट) की सदस्यता ग्रहण की,जिसमें शिवसेना (उद्धव) की पूर्व नगरसेविका सुनीता इलावडेकर, मनसे के पूर्व नगरसेवक अविनाश सावंत, कांग्रेस एससी-एसटी सेल उत्तर-पश्चिम जिला के पूर्व अध्यक्ष हरिश्चंद्र जोगदंड, बिंदु भंडारी आदि का समावेश है। सभी का उपमुख्यमंत्री शिंदे ने पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से पूर्व नगरसेवक कमलेश राय, शेखर तावड़े, राजकुमार यादव, मोहन कलवार, शकील खान, प्रकाश शिंदे, शहनाज मालदार, सफिया नदाफ, शमीम शेख, रितिक सिंह, जीतू नेपाली, साकि ब खान, अभिजीत ठाकुर, नितिन रैनाक, जितेंद्र यादव सहित बड़ी संख्या में पार्टी के कार्यकर्ता और नागरिक उपस्थित थे।

भारत वैभव पार्टी का कार्यक्रम उत्साहपूर्वक संपन्न

मुंबई, (उत्तरशक्ति)। आज भारत वैभव पार्टी का भव्य कार्यक्रम गुजरात प्रदेश अध्यक्ष मनूभाई आहिर की अध्यक्षता में पूरे जोश और विधि-विधान के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष जितेंद्र चौबे के उद्घाटन भाषण से हुई। इस अवसर पर उपस्थित सभी वक्ताओं ने ह्सारथी सरकारह्न की स्थापना को लेकर अपने-अपने विचार और सुझाव प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में आगामी महाराष्ट्र महानगरपालिका चुनाव और बिहार विधानसभा चुनाव में पार्टी द्वारा पूरी ताकत के साथ अकेले चुनाव लड़ने पर सर्वसम्मति बनी। पार्टी अध्यक्ष कृष्ण कुमार पाण्डेय ने चालक समाज के मनोबल को ऊँचा करते हुए एक नया नारा दिया। उठो सारथी, चलो सारथी, सत्ता की ओर – बहुत सह लिया अत्याचार, अब बनाओ अपनी सरकार! कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश

अध्यक्ष संतोष सिंह ने न केवल उत्तर प्रदेश में, बल्कि अन्य राज्यों में भी ड्राइवर समाज के लिए किए गए कार्यों की जानकारी दी तथा अपनी भावी योजनाएं साझा कीं। व्यावसायिक ड्राइवर एकता सोसायटी के संस्थापक अध्यक्ष शैलेश पाठक के प्रेरणादायक भाषण ने सभी उपस्थित जनों में नई ऊर्जा का संचार किया। उन्होंने भारत वैभव पार्टी की नीतियों से प्रभावित होकर ह्सारथी सरकारह्न के गठन हेतु अपना पूर्ण समर्थन घोषित किया और भविष्य में मिलकर काम करने का आश्वासन दिया। पार्टी अध्यक्ष कृष्ण कुमार पाण्डेय ने पार्टी को राष्ट्रीय स्तर पर और अधिक सशक्त बनाने के लिए निम्न पदाधिकारियों की नियुक्ति की। जिसमें जितेंद्र चौबे राष्ट्रीय महासचिव, अजय मिश्रा राष्ट्रीय सचिव, राजरतन सिंह राष्ट्रीय महासचिव, आज लोग शामिल हैं। इन नियुक्तियों से पदाधिकारियों में नए उत्साह और ऊर्जा का संचार हुआ। कार्यक्रम को राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष कृष्णमूर्ति त्रिपाठी, राष्ट्रीय प्रवक्ता मनोज मिश्रा, राष्ट्रीय सचिव सुमन पाण्डेय, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य रमेश पाण्डेय, उत्तर प्रदेश अध्यक्ष संतोष सिंह, मुंबई अध्यक्षा सुनीता यादव, लालजी लोधी, दक्षा बेन भवसार आदि ने संबोधित किया।कार्यक्रम का सफल संचालन वासुदेव फाउंडेशन के संस्थापक अध्यक्ष अरविंद यादव द्वारा किया गया। कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय सचिव अजय मिश्रा, राष्ट्रीय महासचिव राजरतन सिंह, और मुंबई महिला मोर्चा अध्यक्षा सुनीता यादव के संयोजन में हुआ। कार्यक्रम में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पूनम त्रिपाठी, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य राम अभिलाष गुप्ता, वासुदेव फाउंडेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष गुलाब यादव, धीरज मारबाते, अजय गुप्ता, महेंद्र तिवारी, महेश वाभले, जहीर खान, प्रमोद सिंह, हाफिज भाई, मनोज विश्वकर्मा, गिरीश गोटें, रमेश पटेल, मो. अनीस सहित सैकड़ों महिला व पुरुष कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम अत्यंत सफल एवं उत्साहजनक रहा, जिसमें सारथी समाज की एकजुटता और सशक्त भविष्य की झलक स्पष्ट रूप से देखने को मिली।

बाबा की नगरी काशी, आज फिर बनी आस्था की राजधानी

-सुरेश गांधी

वाराणसी। श्रावण मास की दूसरी सोमवारी और बाबा विश्वनाथ की नगरी काशी आज फिर अपनी संपूर्ण दिव्यता के साथ जागी। या यूं कहे बाबा की नगरी एक बार फिर अपनी आध्यात्मिक पराकाष्ठा पर थी। प्रातः 04:07 बजे जैसे ही श्री काशी विश्वनाथ धाम के कपाट खुले, श्रद्धालुओं की कतारें गंगाजल और बेलपत्र लिए गर्भगृह की ओर बढ़ चलीं और बारी-बारी से गंगाजल, दूध और बेलपत्र बाबा के चरणों में अर्पण करते रहे। दृश्य अद्भुत था न कोई थकान, न कोई शिकायत, बस आंखों में आस्था और होठों पर बोल बम! की अनुगूंज। बाबा के दर्शनों के लिए जनसैलाब इस कदर उमड़ा कि पूरे धाम क्षेत्र से लेकर दशाश्वमेध, गोदौलिया, मैदागिन, अस्सी और भदैनी तक हर गली हर-हर महादेव के जयघोष से गुंजायमान हो उठी।

यह केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं था, यह श्रद्धा की विराट यात्रा थी, जो हजारों गाँवों, कस्बों और शहरों से होकर बाबा के द्वार तक पहुँची थी। रविवार की शाम से ही कांवरियों का हुजूम धाम की ओर बढ़ चला था। रात ढलते-ढलते बाबा की नगरी भगवामय हो चुकी थी। मंदिर प्रांगण, मार्ग, गलियां सब कुछ केसरिया परिधानों और जयकारों से जीवंत था। पावन गंगा में स्नान के बाद कंधे पर कांवड़ रखे श्रद्धालु, कोई बंगाल से, कोई बिहार से, तो कोई झारखंड और नेपाल से, सब बाबा की नगरी में एक ही संकल्प लेकर पहुंचे थे, हम आए हैं जल चढ़ाने, महादेव को मनाने। इतनी भारी भीड़ के बावजूद व्यवस्था में कहीं कोई अव्यवस्था नहीं दिखी। सभी श्रद्धालु कतारबद्ध होकर, भजन-कीर्तन करते हुए, प्रसन्न मुख लिए जलार्पण की ओर अग्रसर थे। प्रशासन की ओर से सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। पूरे धाम क्षेत्र को बैरिकेडिंग से विभाजित किया गया, नियंत्रण कक्ष सक्रिय रहा, पुलिस, पीएसी, महिला सुरक्षाकर्मी और स्वयंसेवकों की सतर्कता ने पूरी व्यवस्था को निर्बाध बनाए रखा।

श्रीकाशी विश्वनाथ धाम की नवनिर्मित परिक्रमा पथ, सुगम प्रवेश द्वार, एयरकूल्ड कॉरिडोर, श्रद्धालुओं

की सुविधा के लिए बने रिफ्रेशमेंट सेंटर और स्वास्थ्य बूथ, इन सब व्यवस्थाओं ने बाबा के भक्तों को एक सुकूनभरा अनुभव प्रदान किया। वैसे भी सावन की सोमवारी केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, यह भारतीय लोक-आस्था का गाढ़ा रंग है, जो काशी जैसे आध्यात्मिक नगरों में और भी गहरा पड़ता है। बाबा विश्वनाथ के दरबार में कोई गरीब-धनी, हिन्दू-पिछड़ा नहीं होता, वहां सिर्फ श्रद्धा होती है, समर्पण होता है। सावन की यह दूसरी सोमवारी उसी एकत्व की साक्षी बनी। वृद्ध महिलाएं भक्ति-भाव से भरी आंखों में आंसू लिए बाबा का नाम जपती रहीं, तो युवाओं के समूह गंगा किनारे भजन गाते हुए जल लेकर बढ़ते रहे। दूरदराज से आए हजारों श्रद्धालु बाबा के चरणों में स्वयं को समर्पित करते रहे।

अर्थव्यवस्था से अध्यात्म तकः सावन का बहुआयामी प्रभाव

सावन केवल धार्मिक नहीं, सामाजिक और आर्थिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण होता है। काशी की गलियों में मिठाई की दुकानों, पूजा सामग्री विक्रेताओं, नाविकों, रिक्सावालों और होटलों में रौनक लौट आई है। यह पर्व स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी गति देता है और सामाजिक समरसता को गहराई देता है। बाबा विश्वनाथ धाम, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पुनर्निर्मित होकर आध्यात्मिक गौरव और आधुनिक सुविधा का अद्भुत समन्वय बन चुका है, आज सावन की सोमवारी के अवसर पर श्रद्धा और संस्कृति की नई ऊंचाइयों को छूता दिखा। इस सोमवारी पर उमड़े श्रद्धालुओं का यह सैलाब, भारत की उस आध्यात्मिक धारा की याद दिलाता है जो सदियों से हमारे भीतर बह रही है। सावन का प्रत्येक सोमवार केवल एक तिथि नहीं, एक अंतर्मुख यात्रा है, जो हमें ईश्वर, प्रकृति और स्वयं से जोड़ती है। बाबा विश्वनाथ का दरबार आज फिर गवाह बना : जब श्रद्धा सच्ची हो, तो हर रास्ता भोलेनाथ तक जाता है।

श्रद्धा और व्यवस्था का समन्वय

इस अथाह भीड़ के बीच सबसे उल्लेखनीय था श्रद्धालुओं का अनुशासन और प्रशासन की सूझबूझ। सभी कांवड़िए, कतारबद्ध होकर, अपनी बारी की प्रतीक्षा करते हुए, शिवनाम का जाप करते आगे बढ़ रहे थे। प्रशासन ने सुरक्षा की दृष्टि से विशेष इंतजाम किए थे। सीसीटीवी, ड्रोन निगरानी, महिला सुरक्षा दल, चिकित्सकीय सहायता केंद्र, जलपान व विश्राम स्थल, हर बिंदु पर सतर्कता की झलक थी। यह आयोजन केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, एक सांस्कृतिक पुनर्जागरण जैसा प्रतीत हो रहा था। बच्चों से लेकर वृद्धों तक, हर कोई इस वातावरण में अपनी आत्मा को स्नान करा रहा था।

भीड़ में छिपी एक आत्मिक शांति भीड़ बहुत बड़ी थी, लेकिन उसकी प्रकृति उग्र नहीं, भक्ति भाव से परिपूर्ण थी। हर चेहरे पर विश्वास, हर कदम पर समर्पण। जलार्पण करते समय भक्तों की आँखों में जो श्रद्धा की नमी थी, वह किसी भी शब्द से अधिक प्रभावशाली थी। यह भीड़ प्रशासन के लिए चुनौती थी, तो बाबा के लिए एक आत्मीय स्वागत। मंदिर के पट खुलने के साथ ही शुरू हुआ यह दिव्य सिलसिला दिनभर जारी रहने वाला था। लाखों की संख्या में भक्त जल, दूध और पंचामृत से बाबा का अभिषेक करते रहे, और कण-कण में शिवत्व की अनुभूति होती रही।

श्रावण मास की प्रत्येक सोमवारी केवल एक तिथि नहीं, भारत की आस्था और संस्कृति का जीवंत उत्सव है।

दिव्यांग और बुजुर्गों की सेवा से बढ़कर कोई धर्म नहीं : नीला सोन्स

भायंदर। सेवा का बहुत महत्व है। यह न केवल दूसरों के लिए उपयोगी है, बल्कि व्यक्तिगत विकास और खुशी के लिए भी महत्वपूर्ण है। सेवा करने से हमें संतुष्टि, कृतज्ञता और आत्म-सम्मान की भावना मिलती है, यही कारण है कि सेवा को सबसे बड़ा धर्म माना गया है। मीरा भायंदर महानगरपालिका की पूर्व नगरसेविका नीला सोन्स ने उपरोक्त बातें कही। उन्होंने कहा कि सेवा करने का अवसर भी बड़े भाग्य से मिलता है। इसलिए सदैव सेवा के लिए तत्पर रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि दिव्यांग और बुजुर्गों की सेवा से बढ़कर कोई धर्म नहीं है। इसलिए हमें सदैव सेवा के लिए तत्पर रहना चाहिए। उन्होंने अपने जनसेवा कार्यालय में विगत वर्षों की तरह इस वर्ष भी दिव्यांग पेंशन योजना, विधवा पेंशन योजना तथा कैंसर पीड़ितों के इलाज हेतु दी जाने वाली सहायक अनुदान योजना के फॉर्म मनपा कार्यालय में जमा करा दिए। साथ ही उन्होंने कुछ बुजुर्ग दिव्यांग नागरिकों को व्हीलचेयर भेंट स्वरूप प्रदान कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया गया। उनके इस नेक काम की सराहना की जा रही है।

भाजपा में संगठनात्मक एकता का सशक्त संदेश: गणेश नाइक

वसई-विरार। भारतीय जनता पार्टी वसई-विरार शहर जिला द्वारा आयोजित एक भव्य पदाधिकारी बैठक रिजेंसी हॉल,नाला सोपारा, लिंक रोड,पश्चिम में आज उत्साहपूर्वक संपन्न हुई। यह बैठक पालघर जिले के पालक मंत्री एवं महाराष्ट्र राज्य के वन मंत्री एवं वरिष्ठ भाजपा नेता गणेश नाइक के मार्गदर्शन में रीजेंसी हॉल, नालासोपारा पश्चिम में आयोजित की गई। इस बैठक में संगठन निर्माण, आगामी चुनावों की योजना, पार्टी विस्तार और कार्यकर्ताओं के प्रबोधन पर गहन चर्चा हुई। गणेश नाइक ने मार्गदर्शन दिया कि पार्टी की नीतियों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सभी स्तरों पर एकता आवश्यक है। वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित के साथ भाजपा संगठन मंत्री हेमंत म्हात्रे, नालासोपारा विधानसभा के विधायक राजन नाइक, वसई-विरार शहर जिला भाजपा अध्यक्ष श्रीमती प्रज्ञा पाटिल, वरिष्ठ नेता जोगेंद्र प्रसाद चौबे, शेखर धुरी, पूर्व जिला अध्यक्ष महेंद्र पाटिल, मनोज पाटिल, अभय कक्कड़, केतन गांधी, मनोज बारोट, कंचन झा, के साथ-साथ सभी मंडल अध्यक्ष और पदाधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। यह बैठक पार्टी की संगठनात्मक मजबूती के लिए अत्यंत फलदायी रही और इस बैठक में यह निर्णय लिया गया कि सभी पदाधिकारी आने वाले समय में भाजपा की विजय सुनिश्चित करने के लिए तत्पर हैं।

जेपी के जन्मस्थली से कर्मभूमि तक रेल चलाने की सांसद ने रखी मांग

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज देश के सबसे बड़े पंचायत लोक सभा में 21 जुलाई को महाराजगंज के सांसद जनार्दन सिंह सीग्रीवाल ने लोकनायक जयप्रकाश नारायण की जन्म स्थली सारण (छपरा) से महात्मा गाँधी की कर्मभूमि चंपारण को सीधे रेल लाइन से जोड़ने हेतु नियम-377 के तहत मांग रखी है। सांसद ने कहा है कि छपरा जिला में भारत रत्न लोकनायक जयप्रकाश नारायण की जन्मस्थली है। बिहार राज्य अंतर्गत ही पूर्वी एवं पश्चमी चंपारण जिला, बापू महत्मा गाँधी जी का कर्म भूमि रहा है। छपरा-चंपारण जिलों को छपरा जं.से मेरे संसदीय क्षेत्र के जलालपुर, बनियापुर, सहाजितपुर, भगवानपुर, मलमलिया, मोहम्मदपुर मोड़ एवं डुमरिया घाट होते हुए मोतिहारी रेलवे स्टेशन तक नई रेल लाईन से जोड़ने के लिए पूर्व में मेरे द्वारा अनेक स्तर पर भारत सरकार के रेलवे मंत्रालय से अनुरोध किया गया। सांसद ने कहा है अनुरोध के बाद सर्वे भी हुआ लेकिन रेलवे लाईन नहीं बन सका। इस नई रेल लाईन बिछाने की हमारे संसदीय क्षेत्र की जनता सहित पुरे बिहर की जनता की पुरानी मांग है। संसद में लोकसभा अध्यक्ष के माध्यम से उपर्युक्त दोनों ऐतिहासिक जिलों को रेलवे नेटवर्क से सीधे जोड़ने के लिए रेल मंत्री जी से आग्रह है।

दो दिनों में ठोस निर्णय नहीं लेने पर रेल रोको आंदोलन, 20 दिनों से धरने पर बैठी है अश्विनी केंद्रे

दिवा,ठाणे। दिवा से छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस के लिए लोकल सेवा शुरू करने की मांग को लेकर दिवा में एल्गार मोर्चा निकाला गया. यह मोर्चा दिवा पूर्व के ग्लोबल स्कूल से होते हुए दिवा स्टेशन के पास धरना स्थल पर पहुंचा. यहीं पर इसका समापन हुआ. इस एल्गार मोर्चे का नेतृत्व समाजसेविका अमोल केंद्रे ने किया. रविवार को सुबह 11 बजे आयोजित इस मोर्चे में बारिश होने के बावजूद भी लोग बड़ी संख्या मौजूद थे. मोर्चे को संबोधित करते हुए अमोल केन्द्रे ने कहा कि अगर दो दिनों में दिवा से लोकल शुरू करने को लेकर रेल प्रशासन कोई ठोस कदम नहीं उठाता है, कोई संतोषजनक जवाब नहीं देता है तो हम अपने साथियों के साथ रेल रोको आंदोलन करने को मजबूर होंगे. इसकी पूरी जिम्मेदारी रेल प्रशासन व डीआरएम की होगी. लोकल शुरू होने से लोगों को होगी सहूलियत दिवा से एसटीएमटी लोकल ट्रेन शुरू होने से यहां के नागरिकों को काम धंधे पर जाने में सहूलियत मिलेगी. इसके साथ ही यहां रेलवे की घटनाओं में कमी आएगी. समाजसेविका अश्विनी केन्द्रे ने कहा कि यह आंदोलन आम नागरिकों का है. लोकल शुरू होने से इसका लाभ सभी को मिलेगा. इसकी पहल होनी चाहिए. इस एल्गार मोर्चे में अभय दुबे, बब्बन कांबले, राम पाल मौर्या, राजू गुप्ता, विनोद कदम, प्रवीण उत्तेकर, रेशमा खरात, धनश्री महाडिक, विद्या जैसवाल, अर्चना सकपाल, पूनम कांबले, सुरेखा तोरणे, गजानन शेलार,समेत बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया. बता दें कि पिछले 20 दिनों से समाजसेविका अश्विनी अमोल केंद्रे दिवा से छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस के लिए लोकल सेवा शुरू करने को लेकर धरने पर बैठी हैं, लेकिन अभी तक मध्य रेलवे के एक भी उच्च अधिकारी व स्थानीय जनप्रतिनिधि यहां देखने तक नहीं आया।

संत रोहिदास सामाजिक संस्था की रजत जयंती समारोह सम्पन्न

वसई। विद्यावर्धिनी सी. आर. राजा हॉल, वसई पश्चिम में सामाजिक समरसता के प्रतीक संत रोहिदास सामाजिक संस्था की रजत जयंती के अवसर पर आयोजित भव्य समारोह में पालघर खासदर डॉक्टर हेमंत सावरा सम्मिलित हुए। इस विशेष कार्यक्रम में संस्था के विभिन्न सामाजिक कार्यों की समीक्षात्मक पुस्तक का प्रकाशन किया गया तथा समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले व्यक्तियों को समाज भूषण पुरस्कार प्रदान किए गए। समाज के शोषित, वंचित और उपेक्षित वर्गों के लिए कार्य करने वाली संस्था की यह 25 वर्षों की यात्रा सामाजिक जागरूकता, सेवा और समर्पण का प्रतीक है। इस अवसर पर पालघर खासदर डॉक्टर हेमंत सावरा के साथ वन मंत्री एवं पाल मंत्री गणेश नाईक , बहुजन विकास अघाड़ी के अध्यक्ष हितेंद्र ठाकुर, चर्मकार मंच जिला ठाणे के संस्थापक अध्यक्ष राजाराम मुकने, छत्रपति संभाजीनगर राज्य सेवा अधिकार आयोग के पूर्व आयुक्त डॉ. किरणजी जाधव और समाज के गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

सावन के दूसरी सोमवारी को रामेश्वर धाम में जलाभिषेक के लिए उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज में सावन के दूसरे सोमवार के अवसर पर, महाराजगंज शहर के रामेश्वर धाम मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी रही। सुबह से ही भक्तों का तांता लगा रहा। श्रद्धालु भगवान शिव की पूजा-अर्चना करने और जलाभिषेक करने के लिए दिन भर आते रहे। मंदिर परिसर में हर-हर महादेव और बोल-बम के नारों से गूंजता रहा। श्रद्धालुओं में उत्साह और भक्ति का माहौल देखा गया। प्रखंड क्षेत्र के अन्य स्थानों से भी भक्त यहां पहुंच रहे हैं। बताते चलें कि सावन के पिछले पहली सोमवार को भी भक्तों का उत्साह कम नहीं था. इसके बाद मंदिर में जलाभिषेक के लिए अन्य दिन भी महिला श्रद्धालुओं की संख्या अधिक रहती है। श्रद्धालु भगवान शिव की कृपा पाने के लिए भक्ति भाव से पूजा-अर्चना कर रहे हैं। भीड़ को नियंत्रण में रखने के लिए मंदिर प्रबंधन कमेटी द्वारा महिला व पुरुष सदस्यों को रखा गया है।

सामाजिक कार्यकर्ता नीला गोविंद वाघ का सम्मान

मुंबई। नीला ने जीवन भर सभी के लिए कड़ी मेहनत की। उनकी कड़ी मेहनत और लगन के कारण आज उनके बच्चे और बेटियाँ एक सुखी और संतुष्ट जीवन जी रहे हैं। उनकी कड़ी मेहनत के परिणामस्वरूप उनके परिवार का यह कर्तव्य था कि उनका अमृत महोत्सव जन्मदिन मनाया जाए। इसलिए, उनके जन्मदिन का आयोजन ऐरोली स्थित जानकीबाई माढवी संभागृह में किया गया। उनके सभी रिश्तेदारों और दोस्तों को आमंत्रित किया गया था। समारोह को उनके सभी पसंदीदा गीतों से महफिल सजाई गई थी और उनकी 75 दीपों से आरती की गई । छोटी बेटी शोभा गायकवाड़ ने उन पर चांदी के फूल बरसाए। बड़ी बेटी प्रियंका दुधसागरे ने अपनी माँ को 75 रुपये की माला भेंट की। दोनों बेटों संजय वाघ और विजय वाघ ने अपनी माँ के लिए गीत गाए।शोभा गायकवाड़ ने स्वयं रचित एक कविता सुनाई। पूर्व डिप्टी कलेक्टर संदीप कलम्बे ने कार्यक्रम में अपनी विशेष उपस्थिति दर्ज कराई। साथ ही ऐरोली के भाजपा कार्यकर्ता नरेंद्र कोटकर अपने पूरे परिवार के साथ उपस्थित थे। उनकी बड़ी बहू प्रज्ञा वाघ कोटकर विजय वाघ की बेटी हैं। उन्होंने और उनकी छोटी बहन प्रांजल और उनके 2 साल के बेटे स्वरूप ने भी एक-एक गीत के माध्यम से नीलाई को शुभकामनाएं दीं।उनके मायके से (सपकाले) परिवार के सभी परिवार के सदस्य उपस्थित थे और उनके सभी दोस्त और परिचित भी उपस्थित थे। उनके पड़ोसियों और दोस्तों जैसे महाराष्ट्र के सामाजिक चिंतक शिक्षाविद् चंद्रवीर बंशीधर यादव, नंदकिशोर कदम, चंद्रकांत भवर,कमल मालवणकर,पवन आदि ने भी अपने परिवारों के साथ कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। साथ ही संजय शेट्टी,फरीदा शेख,राजेश बालन, ऋषिकेश खेडेकर,सोनू पगारे,धीरू चौबे आदि ने उन्हें श्रीफल और शॉल देकर सम्मानित किया।उनके बड़े बेटे मिलिंद वाघ ने अपनी भावनाएँ व्यक्त कीं।

भारत का पहला ह्यएक्सपीरिएंसेज-टू-कंज्यूमर ब्रांड दिलसे लॉन्च

मुंबई। भारत में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की दुनिया में एक नई शुरूआत करते हुए दिलसे - द हैपिनेस कलेक्टिव प्राइवेट लिमिटेड का अनूठा ब्रांड मुंबई के प्रतिष्ठित एनसीपीए (एक्सपेरिमेंटल थिएटर) में लॉन्च किया गया। दिलसे देश का पहला एक्सपीरिएंसेज-टू-कंज्यूमर (ए2ड) ब्रांड है, जिसकी शुरुआत एक अत्यंत भावनात्मक और प्रभावशाली लाइव थिएटर परफॉर्मेंस से हुई।

दिलसे द लव थिएटरिकल नाम वाले इस दो घंटे के परफॉर्मेंस को पारंपरिक ब्रांड लॉन्च से अलग रखते हुए एक दिल छू लेने वाली कलात्मक यात्रा के रूप में प्रस्तुत किया गया। इसमें मौलिक कविताएँ, लाइव संगीत, थिएटर शैली की कहानी कहने की कला और सिनेमा जैसे दृश्य एक साथ बुने गए थे -जो दर्शकों को भावनाओं की गहराई में डुबो देने वाला अनुभव रहा।

इस शो की परिकल्पना और लेखन हर्षवर्धन चौहान ने किया, जो मंच पर सूत्रधार की भूमिका में भी नजर आए। उनकी आवाज, उनकी कविताएं और उनके संवादों ने थिएटर, संगीत और दृश्य कला को एक साथ पिरोते हुए दर्शकों को एक भावनात्मक यात्रा पर ले गया, जिसमें हर पंक्ति और हर धुन खास थी ए इसी क्षण के लिए रची गई थी। इस शो का निर्देशन सुमित शर्मा ने किया और संगीत रचना दिलीप रावत और राहुल भल्ला की थी। वहीं, तरुण खेम की मार्मिक नैरेशन, देविका सिंह, तोशी राथ, रिया भल्ला और रविंदर पाठक की भावपूर्ण गायकी, और अमन उप्पल, दिया राजपूत, गौतम, और द दिलसे गर्ल की टीम के शानदार अभिनय ने पूरे शो को जीवंत बना दिया।

दिलसे के संस्थापक और रचनाकार हर्षवर्धन चौहान ने कहा, यह कोई सामान्य लॉन्च नहीं था, यह एक सोल कॉन्ट्रैक्ट था – दिल से किया गया एक वादा। इस परफॉर्मेंस की हर पंक्ति उन भावनाओं से निकली जो हम अक्सर अपने भीतर दबा लेते हैं। मैं मंच नहीं, बल्कि एक आईना चाहता था जिसमें हम खुद को देख सकें। हमने कोई अभिनय नहीं किया, हमने अपनी ही भावनाओं को फिर से जिया। हम आँकड़ों के पीछे नहीं भागते, हम अर्थ की तलाश करते हैं।

ईडीआईआई द्वारा इनक्यूबेटेड ओमस्पेस रॉकेट एंड एक्सप्लोरेशन को भारत के स्वदेशी स्मॉल सैटेलाइट लॉन्च

मुंबई। ओमस्पेस रॉकेट एंड एक्सप्लोरेशन प्राइवेट लिमिटेड, एक भारतीय स्पेस-टेक स्टार्टअप जो एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया,अहमदाबाद के टेक्नोलॉजी बिजनेस इनक्यूबेटर CrAdLE (सेंटर फॉर एडवांसिंग एंड लॉन्चिंग एंटरप्राइजेस) में इनक्यूबेटेड है, जिसे 3 मिलियन डॉलर की प्री-सीड फंडिंग सफलतापूर्वक प्राप्त हुई है। यह निवेश एक फैमिली ऑफिस और एक एंजेल इन्वेस्टर द्वारा किया गया है, जो ओमस्पेस की यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। कंपनी एक स्वदेशी, मॉड्यूलर लॉन्च व्हीकल 'Infinity One'का विकास कर रही है, जिसे लो अर्थ ऑर्बिट सैटेलाइट मिशनों के लिए डिजाइन किया गया है। 2020 में डॉ. रविंद्र राज बिनोद मिस्त्री, श्री मोलिक मोटा और सुश्री स्तुतिका पदमशाली – इंजीनियरों और इनोवेटर्स की एक समर्पित टीम – द्वारा स्थापित, ओमस्पेस का मुख्यालय अहमदाबाद में है और इसकी अंतरराष्ट्रीय उपस्थिति दुबई और यूएई में भी है।

जैपोर ने मुंबई में खोला अपना 5वां स्टोर

मुंबई। आदित्य बिरला फैशन एंड रिटेल लिमिटेड के मशहूर ब्रांड जैपोर ने महाराष्ट्र में अपनी मौजूदगी को और मजबूत किया है। ब्रांड ने मुंबई के बोरिवली में अपना पांचवां स्टोर खोला है। यह नया स्टोर उस इलाके की समृद्ध शिल्प विरासत को खूबसूरती से दर्शाता है। मुंबई, जो परंपरा और आधुनिकता का मिश्रण है, वहां जैपोर का यह स्टोर भारतीय हस्तकला को करीब से अनुभव करने का खास मौका देता है। यह स्टोर जैपोर के उस मकसद का हिस्सा है, जिसमें वह कारीगरों की कहानियों और उनके हुनर को लोगों तक पहुंचाना चाहता है। यह नया स्टोर ब्रांड के बढ़ते विस्तार को दिखाता है और यह भी बताता है कि जैपोर देश की हस्तकला विरासत को बचाने और उसे आगे बढ़ाने के लिए सच्चे कारीगरों के साथ मिलकर काम कर रहा है, जो अपने पीढ़ियों पुराने हुनर और अनुभव को हर प्रोडक्ट में उतारते हैं। स्काई सिटी मॉल में जैपोर का यह नया स्टोर 1,420+ वर्ग फीट में फैला हुआ है और यह भारतीय शिल्प और डिजाइन की आत्मा को जीवंत करता है। टेराकोटा रंग की दीवारें और जालीदार डिजाइन इसे बेहद खास बनाते हैं। जैसे ही आप अंदर प्रवेश करते हैं, आर्क-श्रेणीहेड्स से छनकर आती रौशनी, हाथ से बनी टेक्सचर वाली दीवारें और कारीगरों द्वारा बनाए गए प्रोडक्ट्स एक आत्मीय माहौल रचते हैं। कोल्हापुरी चप्पलों की बारीक कारीगरी हो से लेकर हाथ से बुने हुए कपड़े और कलात्मक पीतल की सजावट तक–बोरिवली स्टोर का हर कोना भारत की विविध शिल्प परंपराओं की गहराई और आत्मा को बखूबी पेश करता है।

सेलोरैप इंडस्ट्रीज लिमिटेड 25 जुलाई 2025 को लॉन्च करेगी अपना आईपीओ

मुंबई। मुंबई स्थित निर्माण कंपनी सेलोरैप इंडस्ट्रीज लिमिटेड, जो ऑटोमोटिव, व्हाइट गुड्स और नॉन-ऑटोमोटिव क्षेत्रों में प्रमुख ओईएम कंपनियों को सेवाएं प्रदान करती है, ने अपने प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम की घोषणा की है, जो 25 जुलाई 2025 को खुलेगा और 29 जुलाई 2025 को बंद होगा। इसका लिस्टिंग प्रस्ताव 01 अगस्त 2025 को NSE EMERGE प्लेटफॉर्म पर किया गया है। यह आईपीओ 36,48,000 इक्विटी शेयरों के नए निर्गम (Fresh Issue) का होगा।

1983 में सुशील कुमार पोद्दार द्वारा एक प्रोप्राइटरशिप फर्म के रूप में स्थापित और 2004 में एक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के रूप में शामिल की गई सेलोरैप इंडस्ट्रीज ने चार दशकों में स्वयं को एक विश्वसनीय निमार्ता के रूप में स्थापित किया है, जो चिपकने वाले और गैर-चिपकने वाले दोनों प्रकार के प्रोसेस्ड कंपोनेंट्स बनाती है। कंपनी की उपस्थिति गुरुग्राम, रानीपेट, कांचीपुरम और पुणे में फैली हुई है, जिसमें कुल लगभग 5 एकड़ का उत्पादन क्षेत्र शामिल है।

आईपीओ की कीमत 79 से 83 प्रति शेयर तय की गई है और न्यूनतम

आवेदन लॉट साइज 3200 इक्विटी शेयर है। शेयरों का आवंटन सेबी दिशानिर्देशों के अनुसार किया जाएगा: 6,91,200 शेयर क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स के लिए, 5,23,200 शेयर नॉन-इंस्टिट्यूशनल इन्वेस्टर्स के लिए, 12,16,000 शेयर रिटेल इंडिविजुअल इन्वेस्टर्स के लिए और 1,82,400 शेयर मार्केट मेकर्स के लिए आरक्षित हैं। एंकर बुक 24 जुलाई 2025 को खुलेगी, जिसमें 10,35,200 शेयर एंकर इन्वेस्टर्स के लिए आरक्षित होंगे।

कंपनी का व्यवसाय मॉडल सुव्यवस्थित है, जिसमें इन-हाउस R&D क्षमताएं और फोम व प्लास्टिक कंपोनेंट्स के लिए उन्नत उत्पादन सुविधाएं शामिल हैं। सेलोरैप लागत प्रभावशीलता, नवाचार और वैश्विक गुणवत्ता अनुपालन को प्राथमिकता देने वाले समाधान प्रदान करता है। यह कंपनी एसके ग्रुप का हिस्सा है, जिसमें सौरभ मार्केटिंग प्राइवेट लिमिटेड, सेलोरैप ईपीपी प्राइवेट लिमिटेड, प्रिस्टीन फूड एंड बेवरेजेज प्राइवेट लिमिटेड, और प्रोटीन कंसल्टेंसी सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड शामिल हैं। कंपनी के प्रमोटर और मैनेजिंग डायरेक्टरसौरभ पोद्दार ने कहा, ह्ययह आईपीओ केवल एक वित्तीय उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह हमारे भविष्य की रणनीतिक दिशा को भी सशक्त बनाता है। चार दशकों से अधिक के अनुभव के साथ, हम अब अगले स्तर की वृद्धि और नवाचार के लिए तैयार हैं, ताकि भारतीय और वैश्विक दोनों बाजारों में अपनी पकड़ और मजबूत कर सकें। ग्रेटेक्स कॉरपोरेट सर्विसेज लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर आलोक हरलालका ने कहा, सेलोरैप एक ऐसी विकास गाथा है जो विरासत और नवाचार पर आधारित है। ओईएम आपूर्ति श्रृंखला में इसकी मजबूत उपस्थिति और शानदार निर्माण रिकॉर्ड इसे निवेशकों के लिए दीर्घकालिक मूल्य निर्माण के लिए उपयुक्त बनाते हैं। ग्रेटेक्स के डायरेक्टर सुमित हरलालका ने जोड़ा, कंपनी की ग्राहक-केंद्रित सोच, विविध उत्पाद पोर्टफोलियो और परिचालन उत्कृष्टता पर गहन ध्यान इसे कंपोनेंट निर्माण क्षेत्र में एक प्रमुख खिलाड़ी बनाते हैं। हम पूंजी बाजार की इस महत्वपूर्ण यात्रा में उनके भागीदार बनकर गर्व महसूस कर रहे हैं। इस आईपीओ से प्राप्त निधियों का उपयोग संयंत्र और मशीनरी, अधोसंरचना विकास, सहायक उपकरण, कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा, जिससे सेलोरैप की संचालन क्षमता और प्रतिस्पर्धात्मकता को और बल मिलेगा।

जेलियो ई मोबिलिटी ने नया Gracy+ लो-स्पीड इलेक्ट्रिक स्कूटर लॉन्च किया

मुंबई। भारत की सबसे तेजी से बढ़ती इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर कंपनियों में से एक जेलियो ई मोबिलिटी ने अपने पॉपुलर लो-स्पीड इलेक्ट्रिक स्कूटर Gracy+ का नया फेसलिफ्ट मॉडल लॉन्च कर दिया है। यह नया Gracy+ खासतौर पर आज के शहरी सफर के लिए तैयार किया गया है और अब पहले से बेहतर परफॉर्मेंस, आरामदायक राइडिंग और जरूरी फीचर्स के साथ आता है। यह स्कूटर छात्रों, कामकाजी लोगों और डिलीवरी जैसी गिग जॉब्स करने वालों के लिए एक बेहतरीन ऑप्शन है। Gracy+ का नया रूप जेलियो की उस सोच को दर्शाता है जो स्मार्ट, टिकाऊ और सभी के लिए सस्ती इलेक्ट्रिक व्हीकल बनाने को बढ़ावा देता है। नया Gracy+ शहर में अलग-अलग तरह के सफर की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए 6 बैटरी वेरिएंट्स में उपलब्ध है। इन ऑप्शन से कस्टमर्स अपनी जरूरत और बजट के अनुसार बैटरी वेरिएंट चुन सकते हैं। लिथियम-आयन बैटरी वेरिएंट में 60V/30AH – कीमत रुपये 65,000, रेंज 110 किमी और 74V/32AH – कीमत रुपये 69,500, रेंज 130 किमी। जेल बैटरी वेरिएंट में 60V/32AH – कीमत रुपये 54,000, रेंज 80 किमी, 60V/42AH – कीमत रुपये 58,000, रेंज 100 किमी, 72V/32AH – कीमत रुपये 56,500, रेंज 100 किमी और 72V/42AH – कीमत रुपये 61,000, रेंज 130 किमी।

लॉक्स एंड आर्किटेक्चरल सॉल्यूशंस ने पेश किया गोदरेज एडवांटिस GSL D1

मुंबई। होम सेफ्टी और आर्किटेक्चरल सॉल्यूशंस सेगमेंट में अग्रणी, गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप का एक व्यवसाय, लॉक्स एंड आर्किटेक्चरल सॉल्यूशंस ने आज अपने नवीनतम हाई-टेक इनोवेशन, एडवांटिस स्क्रू डा स्मार्ट डोर लॉक के पूरे भारत में लॉन्च की घोषणा की। भारत में डिजाइन और निर्मित, दुनिया के लिए बनाया गया, एडवांटिस GSL D1 आधुनिक होम सेफ्टी में एक क्रांतिकारी बदलाव है, जो सौंदर्यपूर्ण शैली को अत्याधुनिक स्मार्ट एक्सेस तकनीक और सुलभता के साथ जोड़ता है। 18,499/- रुपये की शुरुआती कीमत पर उपलब्ध, GSL D1 को आधुनिक घरों के लिए भारत के सबसे उन्नत डिजिटल लॉक के रूप में प्रस्तुत किया गया है। इसे शहरी जीवनशैली की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए डिजाइन किया गया है, जिसमें बेहतर डिजाइन, सुलभता और बहु-स्तरीय डिजिटल सुरक्षा का समावेश है। श्याम मोटवानी, बिजनेस हेड - लॉक्स और आर्किटेक्चरल सॉल्यूशंस, गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप ने कहा, 'एडवांटिस GSL D1 के लॉन्च के साथ हम आधुनिक होम सेफ्टी की परिभाषा को नए सिरे से गढ़ रहे हैं।